



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 29] नई दिल्ली, बुधस्पतिवार, जनवरी 17, 2019/पौष 27, 1940
No. 29] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 17, 2019/PAUSHA 27, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 2019

विषय : मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए 'टेक्सटर्ड टेम्परड कोट किया हुआ और कोड न किये गये ग्लास' के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क जांच - अंतिम जांच परिणाम।

फा. सं. 6/45/2017—डी जी ए डी.—मैसर्स गुजरात बोरोसिल लिमिटेड ने समय समय यथासंशोधित संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात् याचिकाकर्ता अथवा आवेदक के रूप में भी संदर्भित) और समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात् पाटनरोधी अथवा नियमावली के रूप में भी संदर्भित) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के (इसके पश्चात् प्राधिकारी के रूप में भी संदर्भित) के समक्ष मलेशिया (इसके पश्चात् संबद्ध देश के रूप में भी संदर्भित) से 'अधिकतम 4.2 मि.मी. की मोटाई वाले न्यूनतम 90.5 प्रतिशत पारेक्षण (0.2 मि.मी. की सहनशीलता सहित) और जहां कम से कम एक आयाम 1500 मि.मी. से अधिक हो चाहे वह कोट किया हुआ हो अथवा कोट न किया हुआ हो, वाला टेक्सटर्ड टफ़्ड टेम्परड ग्लास' के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के लिए एक आवेदन दायर किया है।

- जबकि, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन के मौजूद होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क यदि उसे लगाया जाये तो वह घरेलू उद्योग की कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की राशि की सिफारिश करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांचों को आरंभ करते हुए दिनांक 2 फरवरी, 2018 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 14/03/2016 - डी जी ए डी जारी की।

क. प्रक्रिया

- इसके नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन प्राधिकारी द्वारा संबद्ध जांच के संबंध में किया गया है :

- i. उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए टेक्सटाई टेम्परड कोट किया हुआ और कोट न किया हुआ ग्लास' के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।
- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांचों को आरंभ करने की कार्यवाही करने के पूर्व पाटनरोधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में मलेशिया के दूतावास को अधिसूचित किया।
- iii. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 5 फरवरी, 2018 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- iv. प्राधिकारी ने भारत में मलेशिया के दूतावास, मलेशिया के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये पते के अनुसार जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना की एक प्रति जारी की और उनसे अनुरोध किया कि वे जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत करायें।
- v. प्राधिकारी ने मलेशिया में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये थे) से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराने के लिए उन्हें अवसर दिया।
 - i. मैसर्स जिनयी सोलर (हॉगकॉंग) लिमिटेड
 - ii. मैसर्स गर लाइटग्लास एसडीएन बीएचडी
- vi. केवल जिनयी सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. ने उपर्युक्त मामले में प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत किया है।
- vii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं/ प्रयोक्ता संघों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये थे) को जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना की एक प्रति अग्रपिप्त की और उन्हें सलाह दी कि वे नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत करायें।
 1. वारि एनर्जी लिमि.
 2. अलपेक्स एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमि.
 3. विक्रम सोलर प्रा. लिमि.
 4. सुराना सोलर लिमि.
 5. टॉपसन एनर्जी लिमि.
 6. टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमि.
 7. एमवी फोटोवोल्टिक पावर प्रा. लिमि.
 8. नवितस ग्रीन सॉल्यूशन्स प्रा. लिमि.
 9. सोवा पावर लिमि. (गोडाउन)
- viii. उपर्युक्त मामले निम्नलिखित आयातकों/ प्रयोक्ताओं ने अपने निवेदन/ अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं :
 1. एमवी फोटोवोल्टिक पावर प्रा. लिमि.
 2. विक्रम सोलर
 3. वारि एनर्जी लिमि.
 4. गोल्डी ग्रीन टेक्नालॉजी प्रा. लिमि.
 5. आल इण्डिया सोलर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन
 6. नवितस ग्रीन सॉल्यूशन्स प्रा. लिमि.

- ix. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।
- x. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत और उत्पादन की लागत को तय करने के लिए अनुबंध III में निर्धारित दिशानिर्देशों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच यथासंभव की है जिससे की यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन की तुलना में कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xi. उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नावली का डेस्क अध्ययन के माध्यम से आंकड़ों का सत्यापन किया गया था।
- xii. वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि 1 अक्टूबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2017 (15 महीने) है। हालांकि, पिछले तीन वर्षों, अर्थात् अप्रैल 2014 से मार्च 2015, अप्रैल 2015 से मार्च 2016, अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और जांच की अवधि क्षति की जांच की अवधि में शामिल है।
- xiii. इसके अलावा, आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक मान ली गई सीमा तक आगे सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों का सत्यापन जांच के उद्देश्य से आवश्यक मानी गई सीमा तक किया गया था।
- xiv. क्षति रहित कीमत का निर्धारण इस बात का पता लगाने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन की तुलना में कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने और उसकी बिक्री करने की लागत और उत्पादन की लागत के आधार पर निर्धारण किया गया।
- xv. लेन देन वार आंकड़े भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से मंगाया गया था।
- xvi. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 11 जून, 2018 को एक मौखिक सुनवाई की। उन हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने मौखिक सुनवाई के समय अपने दृष्टिकोण को मौखिक रूप से प्रस्तुत किया, से यह कहा गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए दृष्टिकोणों को लिखित निवेदन के रूप में प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त दृष्टिकोणों का प्रतिउत्तर निवेदन के रूप में प्रस्तुत करने के लिए अवसर उपलब्ध कराया गया था। उसमें किए गए निवेदनों पर उचित रीति से विचार किया गया है और उसका उपयुक्त रूप से समाधान किया गया है।
- xvii. निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकारों के रूप में माना गया है।
- xviii. प्राधिकारी ने दिनांक 28 नवंबर, 2018 को नियम 16 के अंतर्गत एक प्रकटन विवरण जारी किया और दिनांक 7 दिसंबर, 2018 तक प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने के लिए अवसर उपलब्ध कराया। प्रस्तुत की गई टिप्पणियों पर उपयुक्त रूप से विचार किया गया है। पूर्व में जिन संगत निवेदनों का समाधान नहीं किया गया था उसे अंतिम जांच परिणाम में शामिल किया गया है और उसका उपयुक्त रूप से समाधान किया गया है।
- xix. इस दस्तावेज में *** इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा यथा विचार किए गए और गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का द्योतक है। इस अंतिम जांच परिणाम में () ऋणात्मक संख्या/ रेंज को दर्शाता है।
- xx. इस संबद्ध में जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा ली गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 65.87 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद 'अधिकतम 4.2 मि.मी. की मोटाई वाले न्यूनतम 90.5 प्रतिशत पारेक्षण (0.2 मि.मी. की सहनशीलता सहित) और जहां कम से कम एक आयाम 1500 मि.मी. से अधिक हो चाहे वह कोट किया हुआ हो अथवा कोट न किया हुआ हो, वाला टेक्सटर्ड टफ़न्ड टेम्परड ग्लास'।

5. संबद्ध वस्तु का उपयोग सोलर फोटोवोल्टेइक पैनलों और सोलर थर्मल उपयोगों में एक संघटक के रूप में किया जाता है। 3.2 मि.मी. और 4 मि.मी. की मोटाई के ग्लास का वर्तमान प्रवृत्ति के अनुसार सामान्य तौर पर सोलर फोटोवोल्टेइक पैनलों और सोलर थर्मल उपयोगों में किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं में पारेषण के अपेक्षित न्यूनतम स्तर को कम लौह मात्रा, आमतौर पर 200 पीपीएम से कम रखकर प्राप्त किया जा सकता है। पारेषण स्तर प्रति रिफ्लेक्टिव कोटिंग के साथ कोट किए जाने पर लगभग 2 प्रतिशत – 3 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इस ग्लास चाहे उसे कोट किया हुआ हो अथवा कोट न किया हुआ हो, को टेम्परिंग फर्नीस में मिलाया/ कड़ा किया जाता है क्योंकि यह सोलर उपयोगों के लिए आवश्यक है।

घरेलू उद्योग द्वारा निवेदन

6. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन नीचे दिए गए अनुसार है :
- क. पाटनरोधी शुल्क विचाराधीन उत्पाद चाहे वह कोट किए हुए रूप में हो अथवा कोट न किए हुए रूप में हो, पर लगाया जाना अपेक्षित है।
- ख. इस उत्पाद को सोलर ग्लास, कम आयरन वाला सोलर ग्लास, उच्च पारेषण फोटोवोल्टेइक ग्लास, टेम्परड लोह आयरन पैटर्न वाले सोलर ग्लास आदि जैसे विभिन्न नामों से भी जाना जाता है। संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण अध्याय शीर्ष 70071900 के अंतर्गत किया गया है। हालांकि, सीमा शुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और वह जांच के अधीन प्रस्तावित विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
- ग. घरेलू उद्योग के अनुसार, उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं की तुलना भौतिक और रसायनिक लक्षणों, निर्माण की प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और संबद्ध वस्तुओं का बाजार एवं शुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में की जा सकती है।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन

7. किसी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद पर कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना के अनुसार वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद नीचे दिए गए अनुसार है –
“अधिकतम 4.2 मि.मी. की मोटाई वाले न्यूनतम 90.5 प्रतिशत पारेक्षण (0.2 मि.मी. की सहनशीलता सहित) और जहां कम से कम एक आयाम 1500 मि.मी. से अधिक हो चाहे वह कोट किया हुआ हो अथवा कोट न किया हुआ हो, वाला टेक्सटर्ड टफ़ंड टेम्परड ग्लास”।
9. संबद्ध वस्तु का उपयोग सोलर फोटोवोल्टेइक पैनलों और सोलर थर्मल उपयोगों में एक संघटक के रूप में किया जाता है। 3.2 मि. मी. और 4 मि. मी. की मोटाई के ग्लास का वर्तमान प्रवृत्ति के अनुसार सामान्य तौर पर सोलर फोटोवोल्टेइक पैनलों और सोलर थर्मल उपयोगों में किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं में पारेषण के अपेक्षित न्यूनतम स्तर को कम लौह मात्रा, आमतौर पर 200 पीपीएम से कम रखकर प्राप्त किया जा सकता है। पारेषण स्तर प्रति रिफ्लेक्टिव कोटिंग के साथ कोट किए जाने पर लगभग 2 प्रतिशत – 3 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इस ग्लास चाहे उसे कोट किया हुआ हो अथवा कोट न किया हुआ हो, को टेम्परिंग फर्नीस में मिलाया/ कड़ा किया जाता है क्योंकि यह सोलर उपयोगों के लिए आवश्यक है।
10. बाजार की बातचीत में इस उत्पाद को विभिन्न नामों जैसे सोलर ग्लास, कम लौहे के सोलर ग्लास, उच्च पारेषण फोटोवोल्टेइक ग्लास, टेम्परड किया हुआ कम लौहे के पैटर्न वाले सोलर ग्लास आदि के रूप में भी जाना जाता है। संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण अध्याय शीर्ष 70071900 के अंतर्गत किया जाता है। हालांकि याचिकाकर्ता द्वारा यह दावा किया गया है कि इन संबद्ध वस्तुओं का आयात 70031990, 70051010, 70051090, 70052190, 70052990, 70053090, 70071900 आदि जैसे विभिन्न अन्य शुल्क शीर्षों के अंतर्गत भी आयात किया जा रहा है। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान ये सभी आयात 700071900 और 70072190 के अंतर्गत आया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि एचएस कोट केवल सांकेतिक है और उत्पाद विवरण सभी परिस्थितियों में प्रचलित रहेगा।
11. समान वस्तु के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(घ) में नीचे दिए गए अनुसार प्रावधान है :-
“समान वस्तु” का आशय उस वस्तु से है जो भारत में पाटित किये जाने के लिए जांच के अधीन वस्तु के सदृश्य अथवा उसी के जैसा हर प्रकार से हो और इस प्रकार की वस्तु के न होने पर, एक अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार से एक जैसा नहीं हो, फिर भी उसमें जांच के अधीन वस्तुओं से बिलकुल मिलती जुलती विशेषताएं हों;

12. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना को विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश से निर्यात किए गए विचारधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए उत्पाद में कोई वास्तविक अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन की तुलना उन लक्षणों जैसे भौतिक लक्षणों, कार्यों और उपयोगों, उत्पादन विनिर्देशन, इन वस्तुओं का वितरण और विपणन के संबंध में आयात किए गए संबद्ध उत्पाद से तुलना की जा सकती है। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।
13. प्राधिकारी का यह मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद और संबद्ध देश से भारत में आयात किये गये संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के अभिप्राय से समान वस्तु है।

ग. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थान

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन

14. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन नीचे दिया गया है :
 - i. यह याचिका मैसर्स गुजरात बोरोसिल लिमिटेड (इसके पश्चात् याचिकाकर्ता/ आवेदक के रूप में भी संदर्भित) द्वारा मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के लिए दायर किया है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है और इस कारण से इस नियमावली के अभिप्राय से घरेलू उद्योग स्पष्ट रूप से होता है।
 - ii. याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। याचिकाकर्ता संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक से (या तो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से) संबंधित नहीं है। इस प्रकार से याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत पात्र घरेलू उद्योग है।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन

15. किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग की स्थिति पर कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-
“ख” “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।
17. वर्तमान मामले में मैसर्स गुजरात बोरोसिल लिमि. जो विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है और जिसने मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के मामले में जांच के लिए विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई है द्वारा आवेदन दायर किया गया है।
18. याचिकाकर्ता का ही उत्पादन भारतीय उत्पादन का 100 प्रतिशत होता है। तदनुसार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता ने नियम 5(3) के अंतर्गत स्थिति की आवश्यकता को पूरा किया है और यह नियम 2(ख) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग होता है।

घ. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन

19. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन नीचे दिए अनुसार है :
 - i. याचिकाकर्ता ने केवल इस प्रकार की सूचना को गोपनीय के रूप में दावा किया है जिसकी गोपनीयता की अनुमति नियमावली के अंतर्गत और प्राधिकारी की सतत् प्रथा के अनुसार दी गई है।
 - ii. याचिकाकर्ता ने आवेदन का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार सूचना का कोई विशिष्ट उदाहरण देने में सक्षम नहीं हुआ है, जिसे गोपनीय के रूप में दावा किया गया है और जिसकी गोपनीयता इस नियमावली के अंतर्गत न्यायोचित नहीं है।

- iii. सूचना जैसे भारत में निर्यात की मात्रा, घरेलू बाजार में बिक्री सकल मात्रा, भारत में उत्पादन, बिक्री, निर्यात के लिए औसत कीमत को सूचीबद्ध पाठ में उपलब्ध कराया गया है क्योंकि यह सूचना व्यापार मालिकाना सूचना है।
- iv. यह कि उत्तर देने वाले निर्यातक, निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर का सार्थक सारांश उपलब्ध नहीं कराकर भारतीय कानून के अंतर्गत अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर पाया है। इसके अलावा, यह निवेदन किया जाता है कि उन्होंने मात्रा से संबंधित सभी सूचनाओं को गोपनीय रखा है। इसके अलावा ये उत्तर निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर का अगोपनीय पाठ प्रस्तुत करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विशिष्ट निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने भी माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वे हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों पर ध्यान न दें और साथ ही निर्यातकों के उत्तर को अस्वीकार कर दें और उन्हें व्यक्तिगत वर्ताव से वंचित करें

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन

20. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न निवेदन और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया निवेदन नीचे दिए गए अनुसार है :
 - i. इस याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बरती गई है। इस याचिका में मात्रा से संबंधित सूचना के संबंध में भी पूर्ण रूप से कोई सूचना नहीं दी गई है।
 - ii. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है और उसे इस अर्थ में अत्यधिक गोपनीयता की अनुमति दी गई है कि उन्होंने सार्वजनिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं की है।
 - iii. घरेलू उद्योग ने अपने लागत का पर्याप्त व्यौरा भी नहीं दिया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

21. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार जांच के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ वाली सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।
22. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं :

“ गोपनीय सूचना :

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

23. पाटनरोधी संबंधी विश्व व्यापार संगठन के करार में सूचना की गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान हैं :

“अनुच्छेद – 6.5 कोई भी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की हो (उदाहरण के लिए, क्योंकि इसके प्रकटन से किसी प्रतियोगी को बहुत अधिक प्रतियोगी लाभ मिल जायेगा अथवा क्योंकि इसके प्रकटन का उस व्यक्ति जो सूचना दे रहा हो पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा अथवा उस व्यक्ति पर जिससे उस व्यक्ति ने सूचना प्राप्त की है पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा) अथवा जिसे किसी जांच के पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई जाती है, को इस प्रकार के प्राधिकारियों द्वारा सही कारण दर्शाये जाने पर गोपनीय के रूप में माना जायेगा। इस प्रकार की सूचना इसे प्रस्तुत करने वाले पक्षकार की विशेष अनुमति के बिना प्रकट नहीं किया जायेगा।

अनुच्छेद – 6.5.1 प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों से उसका अगोपनीय सार प्रस्तुत करने के लिए गोपनीय सूचना प्रदान किए जाने की अपेक्षा करेंगे। यह सार विश्वसनीय तरीके से प्रस्तुत की गई सूचना के तथ्य को उचित रूप से समझने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त विवरण देगा। आपवादिक परिस्थितियों में इस प्रकार के पक्षकार दर्शा सकते हैं कि इस प्रकार की सूचना सारांश का ग्रहणशील नहीं है। इस प्रकार की आपवादिक परिस्थितियों में, उन कारणों का विवरण कि क्यों सारांश किया जाना संभव नहीं है, अवश्य उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

अनुच्छेद – 6.5.2 यदि प्राधिकारी यह पाते हैं कि गोपनीयता के लिए अनुरोध आवश्यक नहीं है और यदि सूचना का आपूर्तिकर्ता या तो सूचना को सार्वजनिक करने के लिए इच्छुक नहीं हो अथवा आमतौर पर अथवा इसके सारांश के रूप में इसको प्रकट करने का अधिकार देने के लिए इच्छुक नहीं हो, तब प्राधिकारी इस प्रकार की सूचना पर ध्यान नहीं दे सकता है यदि उपयुक्त स्रोतों से उनकी संतुष्टि के अनुसार इसे नहीं दर्शाया नहीं जा सके कि सूचना सही है।

अनुच्छेद – 6.5.2 का फुटनोट (पाटनरोधी संबंधी विश्व व्यापार संगठन के करार के फुटनोट 18) में नीचे दिए गए अनुसार प्रावधान है – सदस्य इस बात पर सहमत होते हैं कि गोपनीयता के लिए अनुरोधों को एकपक्षीय रूप से अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।”

24. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्ता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न की गई सूचना के रूप में माना गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया था कि वह गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों/ सूचना/ निवेदनों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराये।
25. प्रकटन विवरण में उल्लेख किए गए/ नोट किए गए गोपनीयता के आंकड़ों के संबंध में कुछ शुद्धीकरण का उपयुक्त रूप से समाधान किया गया है।

ड. विविध मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा निवेदन

26. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन नीचे दिया गया है :

- i. यह कि उत्तर देने वाले प्रयोक्ता संघों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ग) के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के रूप में नहीं माना जा सकता है। इन संघों को जांच में एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में भाग लेने की अनुमति तभी दी जा सकती है यदि यह प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार यह सिद्ध कर पाता हो कि अधिकांश सदस्यगण संबद्ध वस्तुओं के या तो आयातक हैं अथवा उत्पादक हैं। यह नोट करना संगत है कि अधिकांश परीक्षणों को संबंधित संघ की कुल सदस्यता के संदर्भ में लागू की जानी होती है। यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि रिकार्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि इस प्रकार का कार्य संघ द्वारा किसी हितबद्ध पक्षकार के रूप में माने जाने के लिए मूलभूत आवश्यकताओं को सिद्ध करने हेतु किया गया है। चूंकि, किसी भी संघ ने अपने अलग अलग क्रियाकलापों के साथ साथ अपने सदस्यों की सूची भी नहीं उपलब्ध कराई है अतः किसी भी परिस्थिति में उत्तर देने वाले संघ को एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- ii. यह कि उत्तर देने वाले पक्षकारों का यह तर्क कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की एकाधिकारवाद की स्थिति उत्पन्न होगी, घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया कि इस तर्क में पूर्ण रूप से कोई दम नहीं है। प्राधिकारी द्वारा समय समय पर यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य किसी आयातों को रोकना नहीं है बल्कि विशेष स्रोतों से पाटन के द्वारा उत्पन्न स्थिति का निवारण करना भी है। चूंकि पाटनरोधी शुल्क देश विशिष्ट शुल्क है अतः आयातक संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से उचित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस कारण से घरेलू उद्योग द्वारा एकाधिकार अथवा कमी उत्पन्न करने का कोई प्रश्न नहीं उठता है क्योंकि ये आयात इस स्थिति को देखते हुए कि उनका उचित कीमत निर्धारण किया गया है, शुल्कों को लगाये जाने के बाद भी हो सकते हैं। अंत में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि बाजार में एकमात्र आपूर्तिकर्ता है जो कि स्थिति नहीं है तभी एकाधिकार हो सकता है। एकमात्र उत्पादक किसी एकाधिकार को उत्पन्न नहीं कर सकता है क्योंकि पूरे विश्व में अन्य आपूर्तिकर्ताओं से इन वस्तुओं का बाजार स्थल पर पहुंचना जारी है।

- iii. यह कि संबद्ध वस्तुओं की विलंबित आपूर्ति के संबंध में निवेदन को, घरेलू उद्योग आयातक के संघ के इस प्रकार के दावे को पुरजोर तरीके से इनकार करता है। इसके अलावा, वे अपने दावे के समर्थन में रिकार्ड पर किसी साक्ष्य को रख पाने में असफल रहे हैं जो उनके दावे के असत्य होने को भी साबित करता है। वास्तव में, सस्ती कीमत पर आयातों के होने के कारण, उपभोक्ता स्वदेश में निर्मित उत्पादों को खरीदने से कतरा रहे हैं। इस तथ्य से यह भी स्पष्ट है कि संबद्ध देश से अनुचित कीमतों पर आयातों को घरेलू देश द्वारा उत्पादित वस्तुओं की तुलना में वरियता दी जा रही है।
- iv. यह कि हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में भी घरेलू उद्योग ने चीन पर लगाये गये शुल्कों के बाद अपनी कीमतों में वृद्धि की है, कानूनी रूप से और तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य बाजार में उचित कीमत को बनाये रखना है। यदि इन आयातों के कारण पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा द्वारा संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है/ इसकी कीमत में ह्रास हो रहा है तब उसका समाधान पाटनरोधी कानूनों के अंतर्गत किया जाना है। घरेलू उद्योग को उचित कीमतों के स्तर के अपनी कीमतों में वृद्धि करने के लिए उचित अवसर देना पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य है। इन परिस्थितियों में, हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा कि वे घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति के अभाव के कारण आयातों पर भरोसा कर रहे हैं, उनके अपने अनुरोध से ही खण्डित हो जाता है क्योंकि आवश्यक रूप से यह कमतर कीमत है जो उनके खरीद संबंधी निर्णयों को प्रभावित कर रहा है।
- v. यह तर्क कि वर्तमान मामले में शुल्क लगाये जाने से पहले से ही नुकसान उठा रही सोलर उद्योग की स्थिति और अधिक खराब हो जायेगी, घरेलू उद्योग का यह निवेदन था कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस प्रकार के कथन गलत हैं और तथ्यात्मक रूप से भी सही नहीं हैं क्योंकि विचाराधीन उत्पाद मॉड्यूल निर्माण की कुल लागत का बहुत छोटा प्रतिशत है। इस कारण से विचाराधीन उत्पाद का पाटनरोधी शुल्क को लगाने का मॉड्यूल की समग्र लागत पर बहुत मामूली प्रभाव पड़ता।
- vi. यह यह तथ्य कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है और इसकी वार्षिक रिपोर्ट इसके समग्र कार्यकलाप और कंपनी के प्रदर्शन का सिंहावलोकन और न कि विशिष्ट ग्रेडों अथवा विशिष्ट उत्पादों जिसकी जांच की जा सकती है, का प्रदर्शन मूल्यांकन नहीं है, को दर्शाता है। यह मुद्दा अनेक अन्य मामलों में विवाद का विषय वस्तु था और स्पष्ट रूप से यह माना गया है कि बहुत उत्पाद कंपनियों के लिए वार्षिक रिपोर्टों पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण ठोस कानूनी अनुमान के आधार पर किया गया है कि जिसकी जांच की जा रही है वह यह कंपनी नहीं है बल्कि विचाराधीन उत्पाद है। घरेलू उद्योग के प्रदर्शन को कानून के प्रावधानों के संबंध में केवल विचाराधीन उत्पाद के लिए देखा जाना चाहिए।
- vii. हितबद्ध पक्षकारों का यह आरोप कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में असंगतता है, घरेलू उद्योग ने निवेदन किया कि याचिका के अनुबंधों में से एक अनुबंध में कुछ टंकण संबंधी अशुद्धियों को घरेलू उद्योग द्वारा दिनांक 01.06.2018 के अपने पत्र के माध्यम से ठीक किया गया है। इन निवेदनों जो इन जांचों का आधार बनते हैं, में वास्तव में कोई असंगतता नहीं थी।
- viii. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है यदि निर्यातक/ हितबद्ध पक्षकार कोई अतिरिक्त सूचना/ साक्ष्य/ निवेदन प्रस्तुत करेंगे तब उसे घरेलू उद्योग को उसकी टिप्पणियों के लिए दी जा सकती है।
- ix. घरेलू उद्योग द्वारा दायर किया गया आवेदन इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार तथा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार पूर्ण रूप से है। इस कारण से हितबद्ध पक्षकारों का यह निवेदन कि आवेदन प्रपत्र के अनुसार नहीं है, को अस्वीकार किए जाने की आवश्यकता है।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन

27. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन नीचे दिए गए अनुसार है :

- i. यह कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर किया गया आवेदन उस रूप में और तरीके से नहीं है जिसे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.3 के संबंध में इस याचिका का मूल्यांकन सही ढंग से नहीं किया है और इस कारण से इस जांच को समाप्त किए जाने की आवश्यकता है।
- ii. यह कि चीन से आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्कों के मौजूद रहने के बावजूद, घरेलू उद्योग ने पूर्व की जांच के समय वर्तमान से अपनी क्षमता की वृद्धि नहीं की है। क्षमता में वृद्धि नहीं किए जाने के कारण भारत में मौजूदा मांग और आपूर्ति का अंतर बढ़तर हो गया है।

- iii. यह कि घरेलू उद्योग क्षमता संबंधी बाधाओं के कारण कई महीने तक आदेशों को पूरा करने में सक्षम नहीं रहा है। आपूर्ति में इस बाधा के कारण आयातक संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए मजबूर हो गये। इसके अलावा उन्होंने यह निवेदन किया कि घरेलू उद्योग और अधिक राजस्व को प्राप्त करने के लिए घरेलू आपूर्ति पर आयातों को वरियता दे रहा है।
- iv. यह कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के बाद घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों में वृद्धि की है और मॉड्यूल निर्माता मॉड्यूल के चीन के आयातों के सस्ता होने के कारण इस वृद्धि को अपने ग्राहकों को दिए जाने के लिए जूझ रहा है।
- v. शुल्कों को लगाये जाने से घरेलू उद्योग को पूर्ण एकाधिकार मिलेगा और इसका संबद्ध वस्तुओं और सोलर मॉड्यूल के उत्पादकों के संबंध में पारिस्थितिकी प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- vi. भारत सौर ऊर्जा के उत्पादन में एक अग्रणी होने के सपने के साथ बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, यह महत्वपूर्ण है कि प्राधिकारी उसके लिए उचित पारिस्थितिकी प्रणाली उपलब्ध कराकर सोलर मॉड्यूल निर्माण उद्योग को सहायता दें। इस प्रकार का पाटनरोधी शुल्क लगाना वास्तव में इस उद्योग के लिए उत्पादन विरोधी सिद्ध होगा। सौर ऊर्जा का बाजार एक बहुत कीमत संवेदनशील बाजार है और लगाये गये पाटनरोधी शुल्क के कारण सौर परियोजनाओं की वित्तीय स्थिति को बहुत बड़ा झटका लगता है। प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 का लक्ष्य किसी कंपनी अथवा निकाय जो तथा अथवा प्रथाओं में लिप्त है; जिसके फलस्वरूप बाजार पहुंच प्राप्त नहीं हो पाता है द्वारा ऐसी कार्यवाही को रोकना है। मलेशिया से टेक्सचर्ड टेम्परड ग्लास के आयातों पर इस पाटनरोधी शुल्क को लगाना विचाराधीन उत्पाद के लिए बाजार में किसी प्रतिस्पर्धा को रोकने के लिए माध्यम के रूप में कार्य करेगा क्योंकि उक्त उत्पाद के लिए केवल एक निर्माता है जिसका नाम गुजरात बोरोसिल लिमिटेड है। उक्त उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग की कीमतों और जिनयी सोलर (मलेशिया) की कीमतों में अंतर लगभग 5.51 प्रतिशत है, जबकि गुजरात बोरोसिल लिमिटेड से निम्नलिखित लाभ मिलता है :
 - उपभोक्ता को अपेक्षाकृत कम आपूर्ति के लिए लीड समय;
 - वांछनीय भुगतान शर्तें;
 - एकाधिकारवादी स्थिति; और
 - अपेक्षाकृत बड़ा बाजार क्योंकि यह अपेक्षाकृत छोटे ग्राहकों को प्रत्यक्ष रूप से आपूर्ति कर सकता है।
- vii. यह कि याचिका के कथन हिस्से में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई कुछ सूचना इस याचिका के साथ संलग्न प्रपत्र IVक के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे इन संख्याओं की फिर से जांच करें और घरेलू उद्योग को सही संख्या उपलब्ध कराने के लिए कहें।

प्राधिकारी द्वारा जांच

28. उत्तर देने वाले पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि इस याचिका में खामियां हैं और इस कारण से इस जांच को समाप्त किए जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच को इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध दर्शाते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए *प्रथम दृष्टया* साक्ष्य के आधार पर आरंभ किया गया था। प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ अतिरिक्त सूचना की भी मांग की है और घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना का सत्यापन भी किया है।
29. हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों के संबंध में की प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आवेदन की वैधता का मूल्यांकन उचित रूप से नहीं कर पाये। उनके अपने दावे की पुष्टि करने के उद्देश्य से उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) हवाला दिया है। इस संदर्भ में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने नियम 5 के कार्यक्षेत्र तथा जांच के आरंभ होने के समय प्राधिकारी के दायित्वों को समझने में पूर्णरूप से असफल रहे हैं। यह एक स्थापित कानून भी है कि अंतिम निर्धारण प्राधिकारी द्वारा उचित जांच और सत्यापन के पश्चात घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर अपेक्षित है। इस कारण से, जांच आरंभन के उद्देश्य से उपयोग की गई निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की पद्धति इस पृष्ठभूमि में पीछे रह जाती है और इसका इस मामले के परिणाम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
30. नियम 2(ग) के संबंध में पात्र हितबद्ध पक्षकारों के रूप में व्यापार संघों को मानने के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी संघों द्वारा दायर किए गए उत्तरों को अस्वीकार करने के लिए घरेलू उद्योग के तर्क को नोट करते हैं। प्राधिकारी यह मानते

हैं कि प्रयोक्ता संघ भी एक महत्वपूर्ण स्टैक होल्डर हैं और इस कारण से उनके निवेदनों पर उपयुक्त रूप से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

31. सोलर उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव वाले विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह टिप्पणी करते हैं कि सोलर मॉड्यूल की कुल लागत में विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा लगभग 6 से 7 प्रतिशत है। इसके अलावा, संबद्ध वस्तुओं के कुल आयातों का लगभग 80 प्रतिशत विशेष आर्थिक क्षेत्र के इकाईयों द्वारा होता है जिन पर पाटनरोधी शुल्कों का प्रभाव नहीं पड़ा है। इस अलावा, यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि डी टी ए को विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों द्वारा विचाराधीन उत्पाद की किसी बिक्री पर विशेष आर्थिक क्षेत्र के अधिनियम की धारा 30 के अनुसार विचाराधीन उत्पाद पर लागू पाटनरोधी शुल्क नहीं लगेगा। इस कारण से प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के दोनों के दृष्टिकोण से विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों से संबंधित चिंताओं को संबंधित नियमावली के प्रावधानों के माध्यम से उपयुक्त रूप से समाधान किया गया है।
32. आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई असंगत संख्याओं के मुद्दे के संबंध में, उसे ठीक कर लिया गया था और उसे अगोपनीय पाठ में स्पष्ट कर दिया गया था। इसके अलावा, चूंकि ये संख्याएं कथन संबंधी व्याख्याओं के साथ उपलब्ध कराये गये थे अतः किसी हितबद्ध पक्षकारों को कोई हानि हुई प्रतीत नहीं होती है क्योंकि उसे हितबद्ध पक्षकारों को किसी अनिश्चितता अथवा कठिनाई से बचने के लिए सुनवाई के पूर्व जांच की अवधि के दौरान ठीक कर लिया गया था। प्राधिकारी संबंधित पक्षकार के लेन देन पर कुछ सूचना को प्रकट न किए जाने के संबंध में घरेलू उद्योग की प्रकटन पश्चात् टिप्पणियों को नोट करते हैं जिसका समाधान प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के बाद के हिस्से में किया है।
33. घरेलू उद्योग के एकाधिकार के मुद्दे के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य आयातों को रोकना नहीं है बल्कि विशिष्ट स्रोतों से पाटन के कारण उत्पन्न स्थिति का समाधान करना है। पाटनरोधी शुल्क के उत्पादक विशिष्ट शुल्क होने के कारण, आयातक संबद्ध देश और अपने पसंद की अन्य देशों से उचित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए स्वतंत्र है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन

क. सामान्य मूल्य

34. प्राधिकारी ने निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने के लिए सलाह देते हुए मलेशिया के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। मैसर्स जिनयी सोलर (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी ने निर्धारित प्रश्नावली के उत्तरों को प्रस्तुत किया है।

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन

35. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में संगत सूचना प्रस्तुत की थी जो किसी जांच को आरंभ किए जाने के उद्देश्य से आवश्यक थी। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया कि उपलब्ध कराई गई सूचना जांच के आरंभन को न्यायोचित ठहराने के लिए नियम 5 के संबंध में पर्याप्त थी, आवश्यक साक्ष्य भी उपलब्ध कराया गया है।
36. मलेशिया के सहयोगी उत्पादक/ निर्यातक की घरेलू कीमतों का उपयुक्त रूप से समायोजन किया जाना चाहिए क्योंकि वे संबद्ध वस्तुओं की बनावट और बिक्री की पूर्ण लागतों को नहीं दर्शाते हैं। इसके अलावा, चूंकि मलेशिया सरकार के प्रतिनिधि ने इसका खंडन नहीं किया था कि मलेशिया में गैस की कीमतें उचित बाजार कीमतों का द्योतक नहीं है, प्राधिकारी को गैस की कीमतों का समायोजन करना चाहिए ताकि यह सही बाजार कीमत को दर्शा सके।
37. घरेलू उद्योग उचित ब्याज लागत के लिए उपयुक्त समायोजन करने हेतु अनुरोध करता है क्योंकि निर्यातक को अपने संबंधित पक्षकार से ब्याज मुक्त ऋण प्राप्त हुआ था। चीन के संबंधित पक्षकार से खरीदी जा रही प्रमुख कच्चे माल की कीमत और उनकी वार्षिक रिपोर्ट में कम मूल्य ह्रास का समाधान अपेक्षित है। प्राधिकारी को उसकी जांच करनी चाहिए और अनिवार्य 80:20 परीक्षण करने के पूर्व आवश्यक समायोजन करना चाहिए।
38. घरेलू उद्योग ने जिनयी मलेशिया की वार्षिक रिपोर्ट का विश्लेषण किया है और यह पाया है कि जिनयी मलेशिया ने कुछ लागतों का उल्लेख नहीं किया है जिसके फलस्वरूप उनकी समग्र निम्नतर लागतें आई हैं। घरेलू उद्योग निम्नलिखित विस्तृत निवेदन उपलब्ध कराते हैं और प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि वे निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार करें :
 - i. यह कि जिनयी मलेशिया की लेखा परीक्षित रिपोर्ट से यह देखा गया है कि जिनयी मलेशिया ने अपने साथी सहायक निगम और तत्कालिक होल्डिंग कंपनी से ब्याज मुक्त ऋण प्राप्त किया है। यह एक स्वीकार किया हुआ तथ्य है कि वे संबंधित पक्षकारों से प्राप्त अपने ऋणों पर किसी ब्याज का भुगतान नहीं कर रहे हैं।

इसके फलस्वरूप, वित्तीय लागत का आपतन उनके लेखा परीक्षित लेखाओं से गायब है। इस कारण से घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे निर्यातक की लागत में ब्याज की लागत को उपयुक्त रूप से शामिल करें।

- ii. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे मलेशिया, थाईलैंड और वियतनाम के सभी प्रकारों के रिकार्ड करने योग्य डिजिटल वर्सटाइल डिक्स डी वी डी [फा. सं. 14/16/2009 – डी जी ए डी, दिनांक 02.07.2010] के मामले में अपनाये गए दृष्टिकोण को ही अपनायें, जिसमें प्राधिकारी ने उत्पादन की लागत का 5 प्रतिशत का नोशनल ब्याज लागत जोड़ी है यद्यपि कंपनी द्वारा कोई ऋण नहीं लिया गया था।
- iii. वर्तमान जांच में, मलेशिया के निर्यातक ने स्वीकार्य रूप में अपने संबंधित पक्षकारों से ब्याज रहित ऋण प्राप्त किया है। चूंकि, वे किसी ब्याज का भुगतान नहीं कर रहे हैं जो अन्य प्रकार से सामान्य परिस्थितियों में देय है, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे कृपया मलेशिया में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए आवश्यक किसी अनिवार्य जांच को करने के पूर्व संबद्ध वस्तुओं की कुल लागत में ब्याज की लागत को जोड़ें। घरेलू उद्योग के अनुसार, यह एक ऐसा मामला है जहां स्वीकार्य रूप से ऋण प्राप्त किया गया है लेकिन लेखा/लागत बुक में किसी ब्याज का दर्शाया नहीं गया है।
- iv. चीन से कच्चे माल को खरीदने जाने के संबंध में, घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि उन्होंने जिनयी मलेशिया की वार्षिक रिपोर्ट से यह नोट किया है कि वे अपने संबंधित पक्षकार नामतः चीन में स्थित मैसर्स टिआनजिन जिनयी सोलर ट्रेडिंग कं. लिमि. से सामग्री खरीद रहे हैं। चूंकि चीन को एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जा रहा है। अतः उन्होंने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि वे चीन से खरीदे गए कच्चे माल की कीमत पर ध्यान न दें और मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार करने के बाद उत्पादन की उनकी लागत में उपयुक्त समायोजन करें। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि कच्चे माल की कीमतों को इस आधार पर भी उनके अंकित मूल्य पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि कच्चे मालों की खरीद एक संबंधित पक्षकार से की गई है। इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान 'चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए रबड केमिकल, नामतः एम बी टी, सी बी एस, टी डी क्यू, पी वी आई और टी एम टी तथा चीन जन. गण. और कोरिया लोक गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए पी एक्स – 13 (6 पीपीडी) के आयातों [फा. सं. 15/1/2013 – डी जी ए डी, दिनांक 29.04.2014] की ओर आकर्षित किया है जिसमें प्राधिकारी ने इस आधार पर चीन से खरीदे गए प्रमुख कच्चे माल की कीमतों को अस्वीकार किया है कि एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश से कीमतें उचित कीमत को नहीं दर्शायेगी।
- v. निर्यात की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, यह नोट किया जाता है कि कंपनी को 10 वर्षों की अवधि अर्थात् 2025 तक के लिए फोटोवोल्टेक ग्लास के निर्माण के लिए पूंजी व्यय को माने जाने पर खर्च की गई 100 प्रतिशत पूंजी की अनुमति के समतुल्य आयकर से छूट को सैद्धांतिक रूप से दिया गया है। कंपनी ने भविष्य की कर योग्य आय के विरुद्ध ऑफसेटिंग के लिए आर एम 23.77 मियो की पूंजी अनुमति का कम उपयोग किया है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि मलेशिया सरकार से आयकर में छूट के कारण निर्यातक को अपेक्षाकृत कम लागतों (अथवा अपेक्षाकृत अधिक लाभ मार्जिन) दर्शाने में कोई कठिनाई नहीं है। निर्यातक ने इनपुट्स की वित्तीय लागत और खरीद कीमतों दोनों को स्पष्ट रूप से उचित से कम के रूप में उल्लेख किया है। उसको देखते हुए घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे निर्यातक की लागत पर प्रभाव डालने वाले संबंधित पक्षकार के सभी लेन देन की विस्तार से जांच करें।
- vi. मलेशिया में सब्सिडी प्राप्त गैस कीमतों के कारण लागत में समायोजन के संबंध में, घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि मलेशिया में, गैस की कीमतों को सहयोग और उसका नियंत्रण सरकार द्वारा किया जाता है और इस कारण से वे अपने उचित बाजार मूल्य को नहीं दर्शाते हैं। चूंकि इस तथ्य को न तो निर्यातक के प्रतिनिधि द्वारा और न ही मलेशिया सरकार के प्रतिनिधि द्वारा खंडन किया गया है, घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि इसे निर्यातक और मलेशिया सरकार द्वारा गुप्त स्वीकृति के रूप में माना जाना चाहिए और प्राधिकारी यह मान सकते हैं कि मलेशिया में गैस की कीमतें उचित बाजार मूल्य को नहीं दर्शाती हैं।
- vii. चूंकि गैस समग्र लागत का एक बहुत बड़ा हिस्सा होता है अतः मलेशिया के निर्यातक के सामान्य मूल्य का समायोजन गैर की बाजार निर्धारित कीमतों के आधार पर किया जाना है। इस संबंध में घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे इस मामले में भी अंतिम जांच परिणाम में पोलीप्रोपीलीन के अनुपात को लागू करें।

- viii. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि उपर्युक्त समायोजन इस उत्पाद की सही लागत को दर्शाते हुए उपयुक्त सामान्य मूल्य पर पहुंचने के लिए और इसके साथ ही व्यापार के सामान्य क्रम का अनिवार्य परीक्षण करते समय किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया कि निर्यातक की वार्षिक रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि उन्होंने उन महत्वपूर्ण सूचनाओं को छुपाया है जिसका उनकी लागतों और परिणामी पाटन मार्जिन पर गंभीर प्रभाव पड़ता हो। प्राधिकारी को भ्रमित करने के लिए प्रयास और सूचना को उनके द्वारा जानबूझकर रोकने को देखते हुए, उनके समग्र उत्तर को अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि निर्यातक ने अपने संबंधित प्रतिष्ठानों में से एक प्रतिष्ठान नामतः जिनयी सोलर एच के निर्यातक की प्रश्नावली का पूर्ण उत्तर उपलब्ध नहीं कराया है और यह कि मलेशिया के उत्तर देने वाले उत्पादकों ने किसी सूचना को उपलब्ध कराने के लिए सहजता से छोड़ दिया है जिससे कि मलेशिया सरकार द्वारा उनसे सब्सिडी प्राप्त की जा सके।

ग. अन्य हितबद्ध पक्षकारों का विचार

39. यह कि घरेलू उद्योग ने इस याचिका में संरचित सामान्य मूल्य का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। इस कारण से, अपनी याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा तय किये गये सामान्य मूल्य को सही के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपने परिकलन की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

घ. मैसर्स डब्ल्यू टी सी द्वारा दायर किया गया निवेदन

40. मैसर्स जिनयी सोलर (मलेशिया) एसडीएन, बीएचडी., ने गैस मलेशिया बरहाद से इस गैस की आपूर्ति की है जो कुआला लंबपुर स्टॉक एक्सचेंज में एक सूचीबद्ध कंपनी है और इसके स्वामित्व का विवरण नीचे दिया गया है :

शेयर होल्डर	स्टेक (%)
एम एम सी कोरपोरेशन बेरहाड	30.9
टोक्यो गैस-मितसुई एंड कं. होल्डिंग एसडीएन बीएचडी	18.5
पेट्रोनेस गैस बेरहाड	14.8
पब्लिक	35.8

41. गैस का कीमत निर्धारण अलग अलग क्षेत्रों के लिए समय समय पर इस कंपनी द्वारा अधिसूचित किया जाता है। 01 जुलाई, 2018 से 31 दिसंबर, 2018 तक की अवधि के लिए बेस प्रशुल्क और निर्धारित प्रभावी प्रशुल्क।

प्रशुल्क श्रेणी	वार्षिक गैस खपत (एम एम बी टीयू)	वर्तमान बेस प्रशुल्क (आर एम/एम एम बी टीयू)	01 जुलाई से 31 दिसंबर, 2018 तक बेस प्रशुल्क (आर एम/एम एम बी टीयू)	01 जुलाई से 31 दिसंबर, 2018 तक प्रभावी प्रशुल्क (जी सी पी टी) के बाद (आर एम/एम एम बी टीयू)
ए	रिहायशी ग्राह	22.30	23.03	23.80
बी	0-600	28.78	29.73	30.50
सी	601-5000	28.93	29.88	30.65
डी	5001-50000	29.22	30.19	30.96
ई	50001-200000	30.48	31.49	32.26
एफ	200001-750000	30.48	31.49	32.26
एल	>750000	31.50	32.55	33.32
औसत बेस प्रशुल्क		30.90	31.92	32.69

(नोट : एम एम बी टी यू = मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट)

42. गैस मलेशिया बरहाड निवेदन के साथ संलग्न 31 दिसंबर, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरण के अनुसार लाभ पर गैस की बिक्री कर रहा है।

ड. प्राधिकारी द्वारा जांच

43. धारा 9 क (1)(ग) के अंतर्गत, किसी वस्तु के संबंध में 'सामान्य मूल्य' का तात्पर्य निम्नलिखित है :

व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में मूल्य की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा —

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

44. प्राधिकारी ने मलेशिया के ज्ञात निर्यातकों को उन्हें निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देते हुए प्रश्नावलियां भेजीं। मैसर्स जिनयी सोलर (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया।
45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया से टेक्सटर्ड टेम्परड कोट किया हुआ और कोट न किया हुआ ग्लास के अधिकांश आयात विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों द्वारा की जाती है। विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों द्वारा किए गए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगता है क्योंकि ये आयात विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों द्वारा निर्यात उत्पादन के प्रयोजन से किये जाते हैं। हालांकि, विशेष आर्थिक क्षेत्र की किसी एक इकाई द्वारा डी टी ए को बेची जा रही/भेजी जा रही इन वस्तुओं की स्थिति में उन पर विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम की धारा 30 के अनुसार पाटनरोधी शुल्क भी लगेगा। इस कारण से प्राधिकारी ने केवल गैर विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों अर्थात् डी टी ए क्षेत्र द्वारा मलेशिया से आयातों का विश्लेषण किया है।

च. मैसर्स जिनयी सोलर (मलेशिया) एसडीएन एचएचडी के मामले में सामान्य मूल्य

46. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जिनयी सोलर, मलेशिया जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है, ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारत में जांच की अवधि के दौरान किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश में संबंधित उत्पादक/निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री भारत में संबद्ध वस्तुओं की उनकी कुल बिक्री की तुलना किये जाने पर सांकेतिक है। प्राधिकारी ने इस तथ्य की भी जांच की है कि क्या यह घरेलू बिक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के नियम 2 के संबंध में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अंतर्गत हुआ है। जिनयी सोलर घरेलू बाजार में की गई बिक्री का लेन देन वार ब्यौर उपलब्ध कराया है। उस पर प्राधिकारी द्वारा नमूने और डेक्स अध्ययन पर समग्र जांच किए जाने के बाद विचार किया है और उस पर घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं की भारित औसत बिक्री कीमत का निर्धारण करने के लिए विश्वास किया है। व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया के निर्धारण के लिए, उत्पादक/निर्यातक द्वारा रखे गये रिकार्डों के अनुसार जिनयी सोलर की एस जी ए व्यय सहित संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत पर विचार किया गया है। घरेलू बिक्री के साथ तुलना ऐपल टू ऐपल आधार पर की गई है। उत्पादन की लागत में पैकिंग लागत शामिल है। व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया के दौरान तुलना ऐपल टू ऐपल आधार पर की गई है। इस संबंध में प्राधिकारी स्पष्ट करते हैं कि घरेलू और निर्यात बिक्री के लिए विचार किया गया पैकिंग लागत वही है और यह कि घरेलू बिक्री के लिए अपेक्षाकृत अधिक पैकिंग लागत के निर्यातक के दावे पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि उसका सत्यापन आंकड़ों और आधार के उपयुक्त साक्ष्य से नहीं किया गया था।

47. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपनी समूह कंपनी से उत्पादक/निर्यातक द्वारा लिये गये ऋण, चीन से एक संबंधित पक्षकार से कच्चे माल की खरीद और मलेशिया में प्राकृतिक गैस की सब्सिडीयुक्त कीमतों के कारण अनुप्रयुक्त ब्याज लागत के संबंध में अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने संबंधित वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक के उत्पादन की लागत की गणना करते समय समूह कंपनियों से लिये गये ऋण पर ब्याज लागत को उपयुक्त रूप से शामिल किया है और साथ ही अन्य मुद्दों की जांच की है। संबंधित पक्षकार से खरीद के संबंध में, यह पाया गया है कि अधिकांश खरीद स्पेयरस और मशीनरी से संबंधित है और यह विचार उत्पाद के लिए बहुत कम कच्चा माल है। इसके अलावा विचाराधीन उत्पाद में उपयोग किये गये कच्चे माल का संबंध देश में अनुचित आयात के लिए प्राथमिक रूप से संबंधित देश द्वारा उपयुक्त कार्यवाही की आवश्यकता होगी। संबंधित देश में विचाराधीन उत्पाद के लिए अपेक्षित कच्चे माल की या तो बीजक के अंतर्गत अथवा पाटन के अंतर्गत कोई साध्य घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। मलेशिया में प्राकृतिक गैस की कीमतों के संबंध में यह देखा गया है कि कार्यवाही योग्य विशिष्ट सब्सिडी के आरोप पर एक विशिष्ट सब्सिडीरोधी जांच की आवश्यकता होगी। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि प्राकृतिक पर 30 प्रतिशत की सब्सिडी मलेशिया सरकार द्वारा विद्युत क्षेत्र को दी जाती है। उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्राकृतिक गैस का उपयोग विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए और न की बिजली के उत्पादन के लिए फर्नीस में है। उत्पादक/निर्यातक ने यद्यपि यह निवेदन किया है कि गैस आपूर्ति करने वाली कंपनी को लाभ प्राप्त हो रहा है, इस स्थिति में यह संगत नहीं है क्योंकि गैस पर सब्सिडी की उपलब्धता का दावा विद्युत क्षेत्र के लिए किया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राकृतिक गैस को आपूर्ति भारत सहित विशिष्ट औद्योगिक उद्योगों के लिए विभिन्न देशों में उपलब्ध कराई जाती है। वास्तव में, घरेलू उद्योग ए पी एम गैस का एक लाभार्थी भी है। वर्तमान मामले में यद्यपि विद्युत क्षेत्र के लिए प्राकृतिक गैस पर सब्सिडी है और विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन से कुछ लिंकेज भी हो सकता है, इस कारक की एक विशिष्ट सब्सिडीरोधी जांच की आवश्यकता होगी। चूंकि यह एक पाटनरोधी जांच है अतः विभिन्न इनपुट लागत कारकों पर लेखांकन सिद्धांतों और उत्पादक/निर्यातक द्वारा रखी जा रही लेखा बुक के अनुसार उत्पादक/निर्यातक के उत्पादन की लागत की गणना करने में विचार किया गया है।

48. घरेलू बिक्री (केवल कोट किया हुआ ग्लास) पर ओ सी टी के परीक्षण के अनुसार, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सभी बिक्री लाभकारी हैं और पैकिंग व्यय के साथ घरेलू बिक्री की कीमत में *** डालर/ मी. ट. होता है। *** और *** डालर/मी. ट. की सीमा तक ऋण लागत और अंतर्देशीय ढुलाई पर समायोजनों के बाद, एक्स फैक्ट्री घरेलू बिक्री कीमत (सामान्य मूल्य) *** डालर प्रति मी. ट. होता है।

ख. कारखानागत निर्यात कीमत

49. कारखानागत निर्यात कीमत का मूल्यांकन करने के लिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने भारत में जांच की अवधि के दौरान 40983 मी. ट. की कुल मात्रा का निर्यात किया है। 40983 मी. ट. में से, 2.81 मी. ट. नमूना बिक्री है और 249 मी. ट. तथा 194 मी. ट. का निर्यात उन व्यापारियों के माध्यम से किया गया है जिन्होंने उत्तर नहीं दिया है। शेष 40537 मी. ट. का निर्यात सीधे तौर पर किया गया है जिसमें 40477 मी. ट. कोट किया हुआ और 60 मी. ट. कोट न किया हुआ संबंधित वस्तु शामिल है। इसमें से, 34201 मी. ट. का निर्यात विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों को भारत में किया गया है और 6336 मी. ट. गैर विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों को किया गया है। गैर विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाईयों को किए गए निर्यातों में संबंधित वस्तुओं का कोट किया हुआ 6276 मी. ट. और कोट न किया हुआ 60 मी. ट. शामिल है। कारखानागत निर्यात कीमत का मूल्यांकन कोट किया हुआ और कोट न किया हुआ ग्लास के लिए पृथक रूप से किया गया है।

i. कोट किया हुआ ग्लास

कोट किये हुए ग्लास का कुल बीजक मूल्य डालर *** (एफ ओ बी/सी आई एफ दोनों) है। इन समायोजनों पर समुद्री भाड़े, अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत और बैंक शुल्क क्रमशः डालर *** प्रति मी. ट., डालर *** प्रति मी. ट., डालर *** प्रति मी. ट., डालर *** प्रति मी. ट. और डालर *** प्रति मी. ट. की सीमा तक विचार किया गया है।

कारखानागत निर्यात कीमत डालर *** प्रति मी. ट. और पहुंच मूल्य डालर *** प्रति मी. ट. तक होता है।

ii. कोट न किया हुआ ग्लास

कोट न किया हुआ ग्लास का कुल बीजक मूल्य डालर *** (एफ ओ बी) है। इन समायोजनों का दावा रख-रखाव, अंतर्देशीय भाड़े और बैंक शुल्क क्रमशः डालर *** प्रति मी. ट., डालर *** प्रति मी. ट. और डालर *** प्रति मी. ट. की सीमा तक किया गया है। कारखानागत निर्यात कीमत डालर *** प्रति मी. ट. और पहुंच मूल्य डालर *** प्रति मी. ट. तक होता है।

दोनों मामलों में पैकिंग संबंधी समायोजन की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि 'सामान्य मूल्य' की गणना की गई है जिसमें पैकिंग की लागत शामिल है और इस कारण से तुलना ऐपल टू ऐपल आधार पर की गई है।

छ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

50. कोट किये हुए और कोट न किये हुए संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन नीचे दिए अनुसार किया गया है :

	कोट किया हुआ	कोट न किया हुआ
मात्रा (मी. ट.)	***	***
एन वी (डालर/ मी. ट.)	***	***
एक्स- ई पी (डालर/ मी. ट.)	***	***
डी एम (डालर/ मी. ट.)	***	***
डी एम %	***	***
डी एम रेंज	-(0 to 10)	-(0 to 10)

कोट किए हुए संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य कोट न किये हुए संबद्ध वस्तुओं के लिए भी अपनाई गया है क्योंकि उत्पादक/निर्यातक के घरेलू बाजार में कोट न किये हुए वस्तुओं की कोई बिक्री नहीं हुई है। यह अपेक्षाकृत अधिक होता है क्योंकि कोट किए हुए वस्तुओं में कोट करने की लागत भी शामिल है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोट न किए हुए वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन कोट किए हुए ग्लास के 'सामान्य मूल्य' के साथ भी नकारात्मक है जिसकी लागत कोट करने वाली सामग्री की सीमा तक अपेक्षाकृत अधिक होगी।

सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

51. मलेशिया के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया है/सहयोग किया है के लिए, प्राधिकारी सहयोग करने वाले निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत और अधिकतम सामान्य मूल्य का संदर्भ लेते हुए पाटनरोधी नियामवली के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करते हैं।

शेष/सहयोग न करने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए, सहयोग करने वाले उत्पादक/निर्यातक द्वारा सूचित किये गये लेन देन में उपयुक्त उच्चतर सामान्य मूल्य और कमतर निर्यात कीमत पर विचार किया गया है।

क्र. सं.	एन वी (डालर/ मी. ट.)	एक्स – ई पी (डालर/ मी. ट.)	डी एम (डालर/ मी. ट.)	डी एम %	डी एम% (रेंज)
1.	***	***	***	***	30-40

ज. क्षति का आकलन और क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच**क. घरेलू उद्योग का विचार**

52. घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान किया गया क्षति से संबंधित निवेदन और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया निवेदन निम्नलिखित है :

- विचाराधीन उत्पाद के आयातों ने जांच की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि के साथ इन वर्षों में अत्यधिक वृद्धि को दर्शाया है। आयातों ने भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि को भी दर्शाया है;
- मांग में मलेशिया का बाजार हिस्सा बहुत कम समय में बहुत अधिक हो गया है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में कमी आई है। यह मलेशिया के अत्यधिक आयातों के कारण हुआ है,
- विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमतों में कमी के साथ, भारतीय उत्पादक के पास उपलब्ध एकमात्र विकल्प या तो आयात की कीमतों में परिवर्तनों के साथ अपनी कीमतों को उसके अनुरूप बनाना है अथवा आदेशों और इस कारण से बाजार हिस्से को खो देना है;

- iv. घरेलू उद्योग की कीमतें, उन कीमतों के प्रभाव को दर्शाती हैं जिन्हें घरेलू बाजार में आयातकों द्वारा दिया जा रहा है;
- v. कम कीमत पर बिक्री, कीमत में कटौती सकारात्मक और वास्तविक है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को कीमत पर दबाव के कारण नुकसान हो रहा है क्योंकि वे अपनी कीमतों को उचित शर्तों पर बढ़ाने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। इसका प्रमुख कारण मलेशिया से आयातों की अधिक मात्रा और वह भी पाटित और क्षति कारक कीमतों पर होती है।
- vi. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में लाभ, निवेश पर लाभ और नकद लाभ के मामले में बहुत अधिक सीमा तक तेजी से गिरावट आई है।
- vii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट मलेशिया से गैर लाभप्रद कीमतों पर आयात की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि के कारण हुई थी।
- viii. बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि की तुलना में कम थी और इस प्रकार से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमत न्यूनीकरण का प्रभाव पड़ रहा है।
- ix. घरेलू उद्योग को मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा, यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तब घरेलू उद्योग को सतत क्षति का खतरा बना हुआ है।

ख. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया निवेदन

53. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान किया गया क्षति से संबंधित निवेदन और प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया निवेदन निम्नलिखित है :
 - i. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और इसमें क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान सुधार हुआ है।
 - ii. मलेशिया से आयातों का घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
 - iii. यह कि घरेलू उद्योग ने आयातों में वृद्धि को बढ़ा चढ़ाकर प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, कीमत में कटौती, कीमत न्यूनीकरण और उसका ह्रास नहीं हुआ है और इस कारण से मलेशिया से आयातों के कारण किसी क्षति का घरेलू उद्योग के दावे को अस्वीकार किया जाना चाहिए।
 - iv. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आयातों और इसके विपरीत सुधार हुआ है।

ग. मलेशिया उच्च आयोग द्वारा अनुरोध

54. (i) भारतीय घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) की अपर्याप्त आपूर्ति

अगोपनीय याचिका से यह पाया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू खपत 2014-15 में 29,128 मी. टन से जांच की अवधि (पीओआई) में 122,023 मी. टन बढ़कर 23 प्रतिशत की दर पर काफी बड़ी है। उसी अवधि में यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग अर्थात् गुजरात बोरोसिल लि. (जीबीएल) की संस्थापित क्षमता वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक 33,829 मी. टन पर स्थिर है। जीबीएल जांच की अवधि में अपनी क्षमता 50,969 मी. टन तक बढ़ा पाई जो कि केवल 41.8 प्रतिशत की ही पूर्ति कर सकता है यदि कुल मांग हो।

घरेलू उद्योग की घरेलू मांग को पूरा करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप खपत में वृद्धि को पूरा करने के लिए आयातों में वृद्धि हुई।

(ii) कारणात्मक संपर्क

यद्यपि, घरेलू उद्योग ने अगोपनीय याचिका में उल्लिखितानुसार पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति होने का दावा किया है, तथापि, यह संस्थापित क्षमता के उन्नयन जैसे अन्य कारकों के कारण हो सकती है जिनसे उनकी प्रचालनात्मक लागत और वित्तीय निष्पादन पर प्रभाव पड़ सकता है।

(iii) आयातों में वृद्धि का कारण

मलेशिया सरकार यह बात दोहराना चाहेगी कि आसियान – भारत एफटीए के माध्यम से मलेशिया और भारत के बीच दो प्रमुख मुक्त व्यापार करार (एफटीए) और मलेशिया – भारत व्यापक आर्थिक सहयोग करार (एमआईसीईए) क्रमशः जनवरी, 2010 और जुलाई, 2011 में प्रभावी हुए।

विचाराधीन उत्पाद के लिए वर्तमान शून्य प्रतिशत प्रशुल्क दर से मलेशिया का यह मत है कि आयातों में वृद्धि एफटीए के महत्वपूर्ण व्यापार सृजन प्रभाव का सकारात्मक मामला था। जब एफटीए किया गया था तो देशों की

हमेशा यह अवधारणा रही है कि प्रशुल्क उदारीकरण से व्यापार विस्तार होगा। अतः मलेशिया की यह बड़ी चिंता है कि ये महत्वपूर्ण व्यापार लाभ कम आंके जा सकते हैं अथवा पाटनरोधी कार्रवाई जैसे व्यापार उपाय के तहत व्यापार संरक्षणवाद द्वारा समाप्त किए जा सकते हैं।

मलेशिया सरकार भारत सरकार से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की वास्तविक आवश्यकता का वस्तुपरक रूप से मूल्यांकन करने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करती है कि वर्तमान जांच डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुरूप की जाए।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

55. डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

56. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II का पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का मूल्यांकन शामिल है, जिनमें लाभ, आउटपुट, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर वापिसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, वास्तविक पाटन मार्जिन की मात्रा और नकदी प्रवाह पर संभावित ऋणात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता सम्मिलित है।"

57. प्राधिकारी द्वारा नीचे किए गए क्षति विश्लेषण में वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोधों का हल किया गया है।
58. प्राधिकारी मानते हैं कि क्षति रहित कीमत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार और डीजीएडी द्वारा स्थापित परिपाटी के अनुसार है।
59. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुसार अनुबंध-II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा आदि के रूप में घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले तथ्यों पर विचार किया है।

क. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क. आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

60. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को इस पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पूर्ण मात्रा अथवा उत्पादन अथवा भारत में खपत के संबंध में पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। डीटीए और एसईजेड यूनिटों, दोनों में संबद्ध देश से संबद्ध सामान के आयातों की मात्रा अक्तूबर, 2016 से दिसंबर, 2017 तक निम्नलिखितानुसार है:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मलेशिया से आयात	मी. टन	1	1	4,297	28,702	22,961
अन्य देशों से आयात	मी. टन	16,613	28,776	85,459	92,457	73,965
कुल आयात	मी. टन	16,614	28,777	89,757	1,21,158	96,927

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	173	540	729	583
घरेलू बिक्री - आवेदक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	146	172	250	200
कुल मांग(मी. टन)	मी. टन	29,143	47,026	1,11,331	1,52,529	1,22,023
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	161	382	523	419
कुल आयात में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0%	0%	5%	24%	24%
अन्य देशों से आयात	%	100%	100%	95%	76%	76%
कुल मांग में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	सूचीबद्ध	0	0	100	475	475
अन्य देशों से आयात	सूचीबद्ध	100	107	135	107	107
घरेलू उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	91	44	48	48

61. एसईजेड यूनिटों और गैर-एसईजेड यूनिटों द्वारा आयातों को अलग-अलग करने के बाद गैर-एसईजेड यूनिटों में विचाराधीन उत्पाद के आयात निम्नलिखितानुसार हैं:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मलेशिया से आयात	मी. टन	1	1	348	4,929	3,943
अन्य देशों से आयात	मी. टन	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838
कुल आयात	मी. टन	5,167	14,449	40,809	54,726	43,781
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	280	790	1,059	847
घरेलू बिक्री - आवेदक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	184	284	227
कुल मांग (मी. टन)	मी. टन	15,507	26,677	59,787	84,057	67,245
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	386	542	434
कुल आयात में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0%	0%	1%	9%	9%
अन्य देशों से आयात	%	100%	100%	99%	91%	91%
कुल मांग में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0%	0%	1%	6%	6%
अन्य देशों से आयात	%	33%	54%	68%	59%	59%
घरेलू उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	69	48	52	52

62. सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत वास्तविक निर्यात आंकड़ों के आधार पर उपर्युक्त आंकड़ों में निम्नलिखितानुसार संशोधन किया गया है:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
जिनई से आयात	मी. टन	1	1	556	6336	5068
अन्य देशों से आयात	मी. टन	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838
कुल आयात	मी. टन	5,167	14,449	41,017	56,133	44,906
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	284	808	993	795
घरेलू बिक्री - आवेदक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	184	284	227
कुल मांग (मी. टन)	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	280	790	1,059	847
कुल आयात में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0	0	1.36	11.58	11.58
अन्य देशों से आयात	%	100	100	98.64	88.42	88.42
कुल मांग में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0	0	0.93	7.41	7.41
अन्य देशों से आयात	%	33.31	54.16	67.44	58.27	58.27
घरेलू उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	69	47	51	51

63. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का आयात पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में पूर्ण दृष्टि से बढ़ा है।
64. समग्र आयातों में संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा लगभग 0 प्रतिशत से 24 प्रतिशत तक बढ़ा जबकि गैर-एसईजेड यूनिटों के लिए हिस्सा 0 से 9 प्रतिशत तक बढ़ा। इसी प्रकार, कुल मांग में मलेशिया से आयातों का बाजार हिस्सा 0 से 19 प्रतिशत और गैर-एसईजेड यूनिटों के लिए 0 से 6 प्रतिशत तक बढ़ा। इस प्रकार, संबद्ध देश से आयातों की मात्रा पूर्ण दृष्टि से समग्र आधार पर तथा कुल आयातों के संबंध में और देश में कुल मांग की दृष्टि से बढ़ा है।

ख. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों पर कीमत प्रभाव

65. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में तथाकथित पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव कीमत वृद्धि रोकने के लिए अथवा कीमत का ह्रास करने के लिए अन्यथा है जो कि सामान्य अवधि में अन्यथा हुई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुँच लागत से की गई है। तथापि, यह विश्लेषण गैर-एसईजेड यूनिटों से संबद्ध सामानों के आयातों और गैर-एसईजेड यूनिटों को घरेलू उद्योग की बिक्री तक भी सीमित है।

ग. कीमत कटौती

66. यह निर्धारित करने के लिए कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने कोटेड और अनकोटेड ग्लास के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से की है, दोनों का भारित औसत निम्नलिखितानुसार है:

	मात्रा	आयात मात्रा	मलेशिया से आयात का पहुँच मूल्य	निवल बिक्री कीमत	कीमत कटौती	कीमत कटौती	कीमत कटौती
	मी. टन	मी. टन	रु./मी. टन	रु./मी. टन	रु./मी. टन	%	रेंज
2014-15	अनकोटेड	-	-	-	-	-	-
	कोटेड	1	41866	***	***	***	0-10
	भारित औसत	1	41866	***	***	***	0-10
2015-16	अनकोटेड	1	33939	***	***	***	10-20
	कोटेड	-	-	-	-	-	-
	भारित औसत	1	33939	***	***	***	10-20
2016-17	अनकोटेड	347	32980	***	***	***	20-30
	कोटेड	1	37534	***	***	***	30-40
	भारित औसत	348	32993	***	***	***	30-40
जांच की अवधि	अनकोटेड	2557	31944	***	***	***	20-30
	कोटेड	2372	31962	***	***	***	30-40
	भारित औसत	4929	31953	***	***	***	30-40

67. इसके अतिरिक्त, कोटेड और अनकोटेड ग्लास के लिए किए गए विश्लेषण से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को दोनों तत्वों से कीमत कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वे संबद्ध देश से कम कीमत पर पाटित आयातों के कीमत दबाव के कारण अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर पाए जो वर्ष 2015-16 से जांच की अवधि तक 10 प्रतिशत तक बढ़ भी गया है।

घ. कीमत न्यूनीकरण एवं ह्रास

68. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या मलेशिया से आयातों के कारण घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण अथवा ह्रास हो रही है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का न्यूनीकरण करना अथवा कीमतें बढ़ाने से रोकना है, जो कि सामान्य अवधि में अन्यथा हुई होती। प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में निम्नलिखित व्यौरे के अनुसार लागत और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
कोट किया हुआ शीशा						
मलेशिया के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	***	-	***	***	***
सूचकांक	सूचीबद्ध	100	-	90	76	76
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-	97	88	88
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	-	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-	97	93	93

कोट न किया हुआ शीशा						
मलेशिया के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	-	***	***	***	***
सूचकांक	सूचीबद्ध	-	100	97	94	94
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	-	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	97	94	94
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	-	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	97	94	94
भारित औसत						
मलेशिया के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
सूचकांक	सूचीबद्ध	100	81	79	76	76
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	103	95	95
घरेलू बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	102	99	99

69. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि मलेशिया से आयातों का पहुँच मूल्य पूरी क्षति जांच अवधि में कम हुआ है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया जाता है कि पहुँच मूल्य में गिरावट और जांच की अवधि के दौरान आयात मात्रा में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पहुँच मूल्य में गिरावट बिक्री लागत में गिरावट से अधिक है जो बिक्री लागत से अधिक कीमत बढ़ाने के लिए घरेलू उद्योग की आजादी को रोक रही है।

ड. जांच की अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री (क्षति मार्जिन)

70. प्राधिकारी ने कुल आयातों पर और गैर-एसईजेड यूनिटों को संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कम कीमत पर बिक्री के कारण हुई क्षति की जांच भी की है। कोटेड और अनकोटेड ग्लास के लिए तुलना की गई है, दोनों का भारित औसत निम्नलिखितानुसार है:

मात्रा	मी. टन	कोट न किया हुआ	कोट किया हुआ	कुल
आयात मात्रा	मी. टन	60	6276	6336
मलेशिया से आयात का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	***	***	***
क्षति रहित कीमत	रु./मी. टन	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज	5-10	25-30	20-25

उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री संबंधी क्षति हुई है।

ख. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

71. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच

में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर निम्नलिखित रूप में विचार-विमर्श किया गया है:

क. बाजार हिस्सा

72. आयातों (गैर-एसईजेड यूनिटों), घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से के व्यौरे निम्नलिखित हैं:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मलेशिया से आयात	मी. टन	1	1	348	4,929	3,943
अन्य देशों से आयात	मी. टन	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838
कुल आयात	मी. टन	5,167	14,449	40,809	54,726	43,781
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	280	790	1,059	847
घरेलू बिक्री - आवेदक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	184	284	227
कुल मांग (मी. टन)	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	386	542	434
कुल मांग में हिस्सा						
मलेशिया से आयात	%	0%	0%	1%	6%	6%
अन्य देशों से आयात	%	33%	54%	68%	59%	59%
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	67%	46%	32%	35%	35%

जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात 2016-17 से बढ़े हैं। यह भी नोट किया जाए कि घरेलू बिक्री का बाजार हिस्सा क्षति जांच अवधि के दौरान कम हुआ है। तथापि, उसी अवधि में मलेशिया का बाजार हिस्सा पर्याप्त रूप में बढ़ा है।

ख. लाभप्रदता

73. यह नोट किया जाता है कि चीन से आयातों के विरुद्ध लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से और जांच की अवधि में गिरती हुई घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से उन्हें निरंतर क्षति हो रही है क्योंकि वे निर्यातक/निर्यातकों द्वारा पेश की गई कीमतों के कारण अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में असमर्थ हैं। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि बिक्री, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से निरंतर कम रही है जिसके परिणामस्वरूप उनकी बिक्री कीमतों पर समग्र दबाव के कारण निरंतर हानियां हुई हैं।

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	103	95	95
डीटीए यूनिट के लिए बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	102	99	99

लाभ/हानि	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-127	-111	-62	-62
लाभ/हानि	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-150	-204	-174	-140

ग. निवेश पर आय

74. निवेश पर आय क्षति की अवधि में नकारात्मक रही जो कि निम्नलिखित तालिका में देखी जा सकती है:

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
नियोजित पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***	***
निवेश पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-124	-145	-67	-54

घ. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

75. यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2016-17 में 33829 मी. टन से अपनी क्षमता बढ़ाकर जांच की अवधि में 63711 मी. टन की है, यह मानते हुए कि संबद्ध सामानों की मांग बढ़ रही है। इसी प्रकार, उनका उत्पादन देश में मांग में वृद्धि के कारण बढ़ा। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग इस तथ्य के बावजूद संस्थापित क्षमता के 75 प्रतिशत से अधिक का उपयोग करने में भी समर्थ नहीं हैं कि देश में काफी मांग है।

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	मी. टन	33829	33829	33829	63711	50969
कुल उत्पादन	मी. टन	20393	27883	32630	47946	38357
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	160	235	188
क्षमता उपयोग	%	60.28%	82.42%	96.46%	75.26%	75.26%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	160	125	125
घरेलू बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	184	284	227
एसईजेड बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	275	119	93	75
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	168	287	230
गैर-विचाराधीन बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	143	165	132
कुल बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	164	232	186
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	119	37	37
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	68	79	70

ड. बिक्री मात्रा

76. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बढ़ी है जो कि व्यापक रूप से इस तथ्य के कारण है कि देश में मांग बढ़ी है।

च. मालसूची

77. संबद्ध सामानों की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मालसूची	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	93	58	54

छ. रोजगार और मजदूरी

78. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध सामानों के लिए ही पूर्णतः कर्मचारी नहीं हैं। अतः कर्मचारी और उन्हें दी गई मजदूरी विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद, दोनों के लिए है। रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति निम्नलिखितानुसार है:

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***	***
कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	109	103	99	99
मजदूरी	रु. (लाख)	***	***	***	***	***
मजदूरी	सूचीबद्ध	100	146	154	252	202
मजदूरी/कर्मचारी	रु./संख्या	***	***	***	***	***
मजदूरी/कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	134	150	256	205

उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा नियुक्त कर्मचारी कुल मिलाकर क्षति जांच अवधि के दौरान समान रहे हैं। तथापि, उन्हें दी गई मजदूरी उसी अवधि के दौरान बढ़ी है।

ज. उत्पादकता

79. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जा सकता है कि प्रति कर्मचारी कुल उत्पादन के संबंध में उत्पादकता आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बढ़ी है। उत्पादकता में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच की अवधि में

निरंतर नकारात्मक नकारात्मक रहा है। तदनुसार, उत्पादकता वह कारक नहीं है जिससे क्षति की अवधि के दौरान क्षति हो सकती हो।

	यूनिट	2014-15	2015-16	2016-17	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन (मी. टन)	सूचीबद्ध	100	137	160	235	188
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***	***
कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	109	103	99	99
उत्पादन/कर्मचारी	मी. टन/सं.	***	***	***	***	***
उत्पादन/कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	125	156	238	191

झ. पाटन की मात्रा

80. पाटन की मात्रा उस सीमा तक एक संकेतक है जहां तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं। विश्लेषण यह दर्शाता है कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम है, यद्यपि, शेष श्रेणी के लिए प्राधिकारी ने पाटन की संभावित मौजूदगी नोट की है।

ञ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

81. इस क्षेत्र में भावी निवेश मलेशिया से आयातों की मौजूदगी से प्रभावित है। नकारात्मक लाभप्रदता, कम हुए बाजार हिस्से के साथ निवेश पर आय यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित है।

ट. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

82. जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध सामानों के लिए भारत में मांग है। संबद्ध देश से आयात कीमतें घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को सीधे ही प्रभावित कर रही हैं। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देश से पहुँच मूल्य के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण/ह्रास हुआ जिससे उन्हें वित्तीय हानियाँ हुईं। संबद्ध देश और जिन देशों पर पहले ही पाटनरोधी शुल्क लग रहा है, उन्हें छोड़कर अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों को घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने का दावा नहीं किया गया है। उत्पाद के लिए मांग वृद्धिकारक प्रवृत्ति दर्शा रही है और इसीलिए घरेलू उद्योग की कीमत न्यूनीकरण तथा ह्रास के लिए उत्तरदायी कारक नहीं कहा जा सकता।

ठ. वृद्धि

83. आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बिक्री और उत्पाद के संदर्भ में घरेलू उद्योग की सकारात्मक वृद्धि है। लाभ, निवेश पर आय जैसे घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन नकारात्मक रहे। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि मांग में वृद्धि से घरेलू उद्योग ने लाभ में वृद्धि, आसानी से नकद प्रवाह और निवेश पर आय में वृद्धि की उम्मीद की थी। तथापि, घरेलू उद्योग उसे हासिल नहीं कर पाया।

ड. वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

84. आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव सहित क्षति के विभिन्न मानदंडों की जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति जांच की अवधि के दौरान विद्यमान है। क्षति जांच अवधि के दौरान मलेशिया से संबद्ध सामानों के आयातों की मात्रा में पूर्ण दृष्टि से और देश में कुल आयातों, घरेलू उत्पादन और कुल मांग के संबंध में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग जैसे अन्य मात्रात्मक मानदंड भी यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को मात्रात्मक क्षति हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि मलेशिया से संबद्ध सामानों के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को कीमत न्यूनीकरण भी हुआ है। घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण भी हुआ है क्योंकि संबद्ध सामानों की बिक्री कीमत क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं बढ़ी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है। तथापि, जिस सहयोगी उत्पादक/निर्यातक का लगभग पूरे निर्यातों में वस्तुतः हिस्सा है, वह गैर-पाटित पाया गया है।

ग. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संपर्क

85. घरेलू उद्योग की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत न्यूनीकरण और हासमान प्रभाव के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षति की मौजूदगी, आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर मात्रात्मक और कीमत प्रभाव की जांच करने पर भारतीय पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य निर्देशात्मक मानदंडों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जांच की गई है कि संबद्ध देश से आयातों के अलावा अन्य किन कारकों का घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान हो सकता है।

क. तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें

जांच की अवधि में मलेशिया और जिन देशों पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लग रहा है, उन्हें छोड़कर प्रत्येक देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात कुल आयातों के 3 प्रतिशत से कम हैं।

ख. मांग में संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन

संबंधित उत्पाद की मांग पूरी क्षति अवधि में बढ़ती रही है, अतः मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का संभावित कारण नहीं है।

ग. प्रौद्योगिकी में विकास

संबद्ध उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाला कारक नहीं है।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियाँ और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है क्योंकि कच्ची सामग्री तथा संबद्ध सामान देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं।

ङ. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

घरेलू उद्योग ने क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। तथापि, इस क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए केवल घरेलू निष्पादन पर विचार किया गया है। अतः निर्यात बाजार में निष्पादन से किसी भी तरीके से वर्तमान क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं हुआ है।

च. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति जांच अवधि में सुधार होता रहा है।

इस प्रकार, यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति हो सकती है।

छ. क्षति एवं क्षति मार्जिन की मात्रा

86. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की एनआईपी जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग की एनआईपी निकाली गई है और उस पर क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए मलेशिया से पहुँच कीमत की तुलना करने के लिए विचार किया गया है। एनआईपी निर्धारित करने के लिए क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यही व्यवहार यूटिलिटियों के साथ किया गया है। क्षति की अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। जांच की अवधि में उत्पादन का परिकलन क्षमता उपयोग पर विचार करके किया गया है और उसी उत्पादन पर प्रति यूनिट निर्धारित लागत निकालने के लिए विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन लागत में कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती देय न लगाया जाए। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल अचल परिसंपत्तियाँ तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उपयुक्त आय (कर-पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की अनुबंध-III में निर्धारित किए गए अनुसार एनआईपी निकालने के लिए कर पूर्व लाभ की अनुमति दी गई थी और उसे अपनाया जा रहा है। इस प्रकार, निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच कीमत के साथ निम्नलिखित रूप में की गई है:

क्रम सं.	उत्पादक	पहुँच मूल्य (रु./मी. टन)	क्षति रहित कीमत (रु./मी. टन)	क्षति मार्जिन (रु./मी. टन)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन (रेंज)
1	जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी.	***	***	***	***	20-25%
2	जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. के अलावा शेष उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	40-50%

ड. अन्य मुद्दे

87. प्राधिकारी मानते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं, तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा का यदि आवश्यक हो तो पाटनरोधी उपाय लगाकर हल किया जाना ही अपेक्षित है। वर्तमान मामले में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए न्यूनतम से कम है और उपर्युक्त स्थूल क्षति विश्लेषण किसी शेष उत्पादक/ निर्यातक की श्रेणी के लिए किया गया है। इस स्तर पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक से आयातों की कीमत के कारण कीमत कटौती हो रही है तथा उपर्युक्त आयात पाटित नहीं हैं तो घरेलू उद्योग को क्षति उच्च उत्पादन लागत अथवा गैर-डीटीए यूनिटों को बिक्री के लिए क्षमता के सृजन के कारण हो सकती है।

च. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

88. प्रकटन विवरण के अनुसरण में घरेलू उद्योग और आयातकों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

- यह सादर अनुरोध किया जाता है कि जिनई ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में जानबूझकर और शरारतपूर्ण ढंग से प्राधिकारी को यह प्रकट नहीं किया है कि उन्होंने अपनी संबंधित पक्षकार से संयंत्र और मशीनरी की खरीद की है। इसके परिणामस्वरूप गंभीर रूप से कम कीमतें, सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन बताया गया है।
- यह अनुरोध है कि कम कीमत की मशीनरी के कारण बिक्री की लागत निम्नलिखित रूप में प्रभावित हुई है:
 - चूंकि, जिनई ने अपने संबंधित पक्षकार से कम कीमत पर मशीनरी की खरीद की है, अतः लाभ एवं हानि लेखा में वास्तविक मूल्यहास बुक नहीं किया जा सका जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन की लागत कम है। केवल इस तथ्य के कारण कि नया संयंत्र होने के बावजूद जिनई बिक्री पर केवल 4 प्रतिशत मूल्यहास लागत लगा रहा है, स्पष्ट रूप से कम मूल्यहास संबंधित पक्षकार के कारण है जो उन्होंने प्राधिकारी से मानने के लिए जानबूझकर चुना।
 - मशीनरी की खरीद के लिए अपेक्षित अतिरिक्त धन संबंधी वित्तीय लागत उत्पादन लागत में नहीं लगाई गई है।
- यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि जिनई ने यह प्रकट नहीं किया है कि वे चीन में संबंधित पक्षकार से अतिरिक्त हिस्से पुर्जे और कच्ची सामग्री खरीद रहा है। यह दृढ़ता से विश्वास किया जाता है कि उन्होंने यह सिद्ध करने के लिए निम्नलिखित सूचना प्रदान नहीं की होगी कि चीन में संबंधित पक्षकार से उनकी खरीद कीमत उचित बाजार मूल्य पर है:
 - कच्ची सामग्री और अतिरिक्त हिस्से पुर्जों तथा कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और संबंधित पक्षकार से कच्ची सामग्री तथा अतिरिक्त हिस्से पुर्जों की खरीद कीमत की तुलना।
 - जिस कीमत पर चीन में संबंधित पक्षकार उसी कच्ची सामग्री और अतिरिक्त हिस्से पुर्जों की किसी अन्य गैर संबद्ध पक्षकार को बिक्री कर रहा है, वह कीमत।
 - यह कि उन्होंने चीन में संबंधित पक्षकार को पूरा भुगतान किया गया है।

- घ. यह कि चीन में संबंधित पक्षकार बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहा है।
- iv. चूंकि, जिनई को 10 वर्षों के लिए आय कर से छूट है, अतः वह कम कीमतों पर चीन में संबंधित पक्षकारों से कच्ची सामग्री/अतिरिक्त हिस्से पुर्जों/मशीनरी प्राप्त करने के लिए उनके लिए पूर्ण व्यापारिक अर्थ बनाता है और मलेशिया में उच्चतर लाभ बुक करना जारी रखता है क्योंकि वे 10 वर्षों की अवधि के लिए शून्य आय कर का लाभ प्राप्त करते हैं। यह बात रोचक है कि यह तथ्य भी प्रश्नावली के उत्तर में प्रकट नहीं किया गया है।
- v. यह अनुरोध है कि जिनई ने प्राधिकारी को दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में झूठी घोषणा की है:
- प्रश्न जी1(जी) के उत्तर में, जिनई ने स्पष्ट रूप से झूठी घोषणा की है कि वे संबंधित पक्षकार से सामग्री की खरीद नहीं कर रहे हैं।
 - प्रश्न डी1 के उत्तर में, जिनई ने यह कहकर प्राधिकारी को पुनः भ्रमित किया है कि उनकी विस्तार करने की कोई योजना नहीं है।
- उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि जिनई ने झूठी घोषणा की है और अपनी निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में प्राधिकारी को भ्रमित किया है जिसका उसके सामान्य मूल्य पर और परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन पर सीधा प्रभाव है। "अनकोटेड कॉपीयर पेपर" (फा. सं. 6/32/2017-डीजीएडी दिनांक 30.10.2018) के मामले में अंतिम जांच परिणाम की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें प्राधिकारी ने संबंधित पक्षकार के साथ लेन-देन करने के मात्र संदेह पर एक निर्यातक की निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य को रद्द किया है जो कभी सिद्ध नहीं किया गया था।
- vi. यह अनुरोध है कि प्रकटन विवरण से यह दिखाई देता है कि निम्नलिखित दस्तावेज सार्वजनिक सुनवाई के बाद दायर किए गए हैं:
- क. जिनई द्वारा अपने संबंधित पक्षकार से कच्ची सामग्री की अपनी खरीद के संबंध में दिए गए दस्तावेज/सूचना।
 - ख. गैस की कीमत से संबंधित दस्तावेज/सूचना।
 - ग. गैस कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी भी दस्तावेज को स्वीकार करने की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि ये दस्तावेज प्राधिकारी से महत्वपूर्ण सूचना रोकने के इरादे से पूर्व के स्तर पर दायर नहीं किए गए थे। सी.आर. काँइल (अंतिम जांच परिणाम फा. सं. 18/11/2010-डीजीएडी दिनांक 05.12.2018) के मामले में ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें घरेलू उद्योग की तकनीकी क्षमता के संबंध में एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा औपचारिक विस्तृत रिपोर्ट को इस आधार पर रद्द किया गया था कि वह सार्वजनिक सुनवाई के बाद दायर की गई थी।
- vii. घरेलू उद्योग प्राधिकारी का ध्यान चीन और कोरिया से रबड़ केमिकल (मामला संख्या 14/5/2007-डीजीएडी) के मामले में उनके निर्णय की ओर भी आकर्षित करना चाहेगा जिसमें यह माना गया था कि कच्ची सामग्री की कीमतें स्वीकार नहीं की जा सकतीं क्योंकि वे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से खरीद किए जाने पर उत्पादन से पर्याप्त रूप से जुड़ी हुई लागत नहीं दर्शाते और इसके बजाए प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के निर्धारण के लिए कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों का प्रयोग किया। उपर्युक्त निर्णय का अनुपात इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर सीधे ही लागू है। वर्तमान मामले में भी कच्ची सामग्री की कीमत को इस आधार पर ही रद्द किया जाना चाहिए।
- viii. जांच की अवधि के दौरान जिनई को उपलब्ध गैस की कीमत के संबंध में, यह बात दोहराई जाती है कि टेक्सचर्ड टेम्पर्ड ग्लास के उत्पादन में प्रयुक्त प्राकृतिक गैस विशिष्ट बाजार स्थिति की मौजूदगी के कारण बाजार संचालित कीमत को नहीं दर्शाती। पाटनरोधी नियमावली की धारा 9क(1)(ग)(i) और पैरा 1 का संदर्भ देते हुए यह अनुरोध है कि निर्धारित किया जाने वाला सामान्य मूल्य निर्यातक द्वारा रखे गए रिकार्ड पर आधारित होना चाहिए और यह कि वह उपयुक्त रूप से उत्पादन से जुड़ी लागत को दर्शाए। जिनई विशेष कीमत पर गैस मलेशिया बर्हड से अपनी गैस की खरीद कर रहा है। गैस कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट 2017 का विश्लेषण किया जाता है और पृष्ठ 173 से यह नोट किया जाता है कि मलेशिया सरकार अपने ग्राहकों से कम वसूली करने के लिए गैस कंपनी को प्रतिपूर्ति कर रही है।
- ix. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि गैस कंपनी जिनई को सस्ती गैस दे रही है क्योंकि मलेशिया सरकार उसके लिए प्रतिपूर्ति कर रही है।

- x. अपने दावे को सिद्ध करने के लिए घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित न्याय निर्णय का उल्लेख किया है:
- बाजार विशेष की स्थिति संबंधी ऑस्ट्रेलियाई दिशा-निर्देश।
 - पाटनरोधी मैनुअल में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्राधिकारी (शर्तों की शब्दावली)।
 - ओमान, सऊदी अरब और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलीप्रोपलीन।
- xi. यह भी अनुरोध किया जाता है कि निर्यातक ने जुलाई, 2018 से गैस कीमतें देकर प्राधिकारी को पुनः भ्रमित किया है। जब यह ज्ञात है कि जांच की अवधि अक्तूबर, 2016 से दिसंबर, 2017 है।
- xii. यह अनुरोध है कि भारत में परिपाटियों के संबंध में पैरा 41 में प्रकटन विवरण में प्राधिकारी की टिप्पणी स्पष्ट रूप से बताती है कि यदि चुनौती दी गई परिपाटी के समान भारत में विद्यमान कुछ नीतियां हैं तो प्राधिकारी को निर्यातक को दिए जा रहे इन प्रश्रयोग्य लाभों की अनदेखी करनी चाहिए। इस संबंध में, हमारा अनुरोध है कि यदि यह माननीय प्राधिकारी का सुविचारित निर्णय है तो इसे सीवीडी जांचों सहित अन्य सभी मामलों में अपनाया जाना चाहिए।
- xiii. प्रकटन विवरण से यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने पैकिंग खर्चों के लिए निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य में कोई समायोजन नहीं किया है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी कृपया यह पुष्टि करें कि घरेलू बिक्री और निर्यात बिक्री के लिए पैकिंग की प्रति यूनिट लागत समान है। तथापि, यदि दोनों लागतों समान नहीं हैं तो यह अनुरोध है कि कृपया निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य, दोनों में उपयुक्त समायोजन करें।
- xiv. ऐसा प्रतीत होता है कि कई वास्तविक तथ्य प्रकटन विवरण में प्राधिकारी को पहली बार प्रकट किए गए हैं जो मौखिक सुनवाई के समय घरेलू उद्योग को उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसके मद्देनजर, यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी कम से कम उन मुद्दों को हल करने के लिए नियम 6(6) के अनुसार नए सिरे से सुनवाई करें जो बोर्ड में पहली बार आए हैं।
- xv. निर्यातक प्रश्नावली में झूठी अथवा भ्रामक सूचना उनके पाटन मार्जिन पर सीधा प्रभाव डालती है। इसके अतिरिक्त, निर्यातक ने कुछ आधी समर्थित सूचना दायर की जो संदेह से परे सिद्ध करती है कि उनकी प्रश्नावली के उत्तर में उनके द्वारा दी गई सूचना झूठी, गलत और भ्रामक थी। उपर्युक्त सूचना का अगोपनीय रूपांतर घरेलू उद्योग को नहीं दिया गया था। अतः उस सूचना पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के प्रावधानों के अनुसार विचार नहीं किया जा सकता।
- xvi. उस प्रमाणन की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जो प्रश्नावली का उत्तर दायर करते समय निर्यातकों द्वारा दी जानी आवश्यक होती है। उपर्युक्त प्रमाण पत्र में निर्यातक यह वचनबद्धता देते हैं कि प्रश्नावली के उत्तर में उनके द्वारा दी गई सूचना सही और सत्य है तथा कोई वास्तविक तथ्य छिपाया नहीं गया है अथवा गलत नहीं दिया गया है। वे यह भी वचनबद्धता देते हैं कि यदि कोई आंकड़े/सूचना गलत पाई जाती है अथवा कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्ड के विपरीत पाई जाती है तो प्राधिकारी उनके द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर को रद्द कर सकते हैं। यह उल्लेख करना व्यावहारिक है कि प्राधिकारी कंपनी के प्रमाणन तथा कानूनी प्रतिनिधियों पर भारी जोर दे रहे हैं। वस्तुतः व्यापार सूचना संख्या 05/2018 में प्राधिकारी ने और अधिक सख्त प्रमाणन की आवश्यकता बनाई है। ऐसी स्थिति में, वर्तमान मामले में निर्यातक द्वारा दायर उत्तर को स्वीकार करने से हितबद्ध पक्षकारों को झूठी सूचना दायर करने के लिए प्रोत्साहित करना ही नहीं होगा। अतः यह निर्विवाद है कि उपर्युक्त निर्यातक ने प्रश्नावली के प्रश्न संख्या क(5), क(6), घ(1), छ(1)ड, छ(1)छ और छ(2) के उत्तर के संबंध में गलत सूचना दी है।

ख. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

- i. यह अनुरोध है कि याचिकाकर्ता ने याचिका में और बाद के अनुरोधों में भी क्षमता, उत्पादन, बिक्री और मांग आदि जैसे प्रमुख मात्रात्मक मानदंडों के संबंध में गोपनीयता का दावा नहीं किया। परंतु उसे प्रकटन में गोपनीय माना गया है जिससे पर्याप्त टिप्पणी करने का हमारा अवसर प्रतिबंधित हो गया है। साथ ही, प्रकटन में आंकड़ों में कुछ असंतुलन है जिससे भी पर्याप्त टिप्पणी करने का हमारा अवसर प्रभावित हो रहा है। उदाहरण के लिए मलेशिया से आयात पैरा 68 में 3943 मी. टन माना गया है जबकि पैरा 66 में 6336 मी. टन और पैरा 62 में 4929 मी. टन माना गया है। साथ ही, जब मलेशिया के लिए आयात आंकड़े एसईजेड और गैर-एसईजेड के लिए अलग किए जाते हैं तो अन्य देशों से आयात एसईजेड और गैर-एसईजेड के लिए अलग-अलग नहीं किये जाते जिससे मांग संबंधी आंकड़ों के संबंध में अनिश्चितताएं बनती हैं। चीन जन. गण. के लिए आयात आंकड़ों को अलग-अलग करने से भी चीन जन. गण. से एसईजेड यूनिटों द्वारा

आयात की अधिक प्रतिशतता दर्शाएगी जो यह दर्शाएगी कि घरेलू उद्योग को हो रही तथाकथित क्षति के लिए पाटन कारण नहीं है।

- ii. याचिका में जांच की अवधि के लिए वार्षिकीकृत 122023 मी. टन की मांग दर्शाई गई। यदि वह गैर-एसईजेड द्वारा मलेशिया से 5068 मी. टन आयात लेकर पुनः निकाली जाती है तो मांग लगभग 104000 मी. टन के लगभग आती है। इस प्रकार, मलेशिया से आयात का हिस्सा केवल भारत में कुल मांग का 5 प्रतिशत है और यह देखा जाता है कि यह पूरा आयात अपाटित कीमत पर है, जैसा कि सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों से देखा जा सकता है। इस प्रमुख तथ्य के आधार पर ही इस मामले को रद्द किया जाना चाहिए।
- iii. प्रकटन विवरण के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति इस तथ्य के कारण है कि घरेलू उद्योग ने भारत में मांग तथा एसईजेड क्षेत्र में मांग पर भी विचार करते हुए अपनी क्षमता स्थापित की है। एसईजेड यूनिटों द्वारा खरीद एसईजेड अधिनियम द्वारा शासित की जाती है। इस संबंध में, यह अनुरोध है कि चीन जन. गण. पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भी भारत में विचाराधीन उत्पाद की खपत के विशेष स्वरूप के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। पाटनरोधी शुल्क भारत में प्रयोक्ता उद्योग के विशेष रूप से फैलने के कारण घरेलू उद्योग की सहायता नहीं कर रहा है। पाटनरोधी शुल्क पाटन के ह्रासमान प्रभावों को समाप्त करने के लिए है और वर्तमान मामले में तथाकथित ह्रास घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित गलत रखी गई क्षमता का परिणाम है जिन्हें पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से ठीक नहीं किया जा सकता।
- iv. प्रकटन विवरण के पैरा 73 में प्राधिकारी की टिप्पणी का संदर्भ देते हुए यह अनुरोध है कि यह एक बहुत ही संगत टिप्पणी है क्योंकि यह वर्तमान मामले में कारणात्मक संपर्क न होना दर्शाता है।
- v. यह अनुरोध है कि प्रकटन विवरण मुख्य सहयोगी उत्पादक/निर्यातक अर्थात् जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. से पाटन का न होना दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत को निर्यात का काफी भाग इस निर्यातक से था और इस निर्यातक द्वारा निर्यातों के मामले में नकारात्मक पाटन मार्जिन पाए जाने पर पूरी जांच इस आधार पर रद्द की जानी चाहिए।
- vi. यह अनुरोध है कि संबद्ध देश से आयातित सामानों और घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क स्पष्ट रूप से एवं गंभीर रूप से भंग होना है।

प्रकटन विवरण के पैरा 30 में प्राधिकारी का मत यह दर्शाता है कि लगभग 80 प्रतिशत आयात एसईजेड द्वारा किए जाते हैं और शेष 20 प्रतिशत ही गैर-एसईजेड द्वारा किए गए। यदि एसईजेड पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से प्रभावित नहीं है तो एसईजेड द्वारा किए गए आयातों को वर्तमान जांच की परिधि में लाने का क्या तर्क है। यदि ये आयात एसईजेड अधिनियम की दृष्टि से पाटनरोधी शुल्क के लिए जिम्मेदार नहीं हैं तो घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति को इन आयातों से जोड़ना कहां तक उचित है जो कि कुल तथाकथित पाटित आयातों के लगभग 80 प्रतिशत है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वर्तमान जांच जो एसईजेड और गैर-एसईजेड के बीच आयातों का अंतर किए बिना शुरू की गई थी, वह कैसे जांच के क्षेत्र से एसईजेड द्वारा आयातों को अलग करके अब कैसे बन सकती है। प्रकटन विवरण घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के दावों में ह्रास दर्शाता है जो नहीं हो सकता।

एसईजेड को सोलर सेल/मॉड्यूल से संबंधित रक्षोपाय जांच में रक्षोपाय महानिदेशालय द्वारा पृथक क्षेत्र होना पाया गया है और एसईजेड, एसईजेड अधिनियम द्वारा शासित होता है। यह स्पष्ट है कि एसईजेड आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए जो कि भिन्न क्षेत्र में है और पाटनरोधी शुल्क एसईजेड द्वारा आयातों पर लागू नहीं है, शुल्क की देयता तभी उत्पन्न होती है जब पाटनरोधी शुल्क के बिना ये आयात भारत को भेजे जाएं न कि निर्यात किए जाएं। उपर्युक्त यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जिस आधार पर यह मामला शुरू किया गया था, वह गैर-मौजूद है और एसईजेड के आयातों को पाटन एवं क्षति की परिधि से हटाना यह दर्शाएगा कि जांच की शुरुआत की अधिसूचना में अधिसूचित किए गए अनुसार दोनों के बीच पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के कारण मामला रद्द किए जाने योग्य है।

- vii. यह भी अनुरोध किया जाता है कि प्रकटन में एसईजेड द्वारा आयातों को अलग करने के बाद पाटन और क्षति की भिन्न तस्वीर के बारे में बात की गई है जबकि वर्तमान जांच याचिका में दिए गए आधारों पर और जांच की शुरुआत में अधिसूचित किए गए अनुसार शुरू की गई थी। जांच की शुरुआत के समय प्राधिकारी द्वारा प्रथम दृष्टया पाए गए पाटन और क्षति भिन्न हैं तथा प्रकटन विवरण में अलग परिदृश्य के संबंध में बात की गई है जिसका घरेलू उद्योग द्वारा दावा नहीं किया गया है। अतः याचिकाकर्ता अपनी क्षति को समुचित रूप से अभिज्ञात नहीं कर पाया और मलेशिया से पूरे आयातों के विरुद्ध पाटन और क्षति का पूरा आरोप लगाया गया।

- viii. स्थिति के अनुसार ये तथ्य दर्शाते हैं कि पूरी क्षति अवधि और जांच की अवधि में वित्तीय हानियां हुई हैं। इस क्षति का विचार-विमर्श और मूल्यांकन अब निरर्थक है क्योंकि यह पाया गया कि वर्तमान मामले में कोई पाटन नहीं है।
- ix. प्रकटन विवरण के अनुसार, संबद्ध देश से आयात जांच की अवधि के दौरान केवल 6000 मी. टन तक थे जबकि मांग लगभग 104000 मी. टन की थी। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि इतने कम आयात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है। वर्तमान मामले में 6000 मी. टन के आयात से घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए परंतु दावा की गई क्षति अत्यधिक है जो इन आयातों से हो सकती थी। यह कारणात्मक संपर्क का न होना दर्शाता है तथा इतने कम आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना युक्तिसंगत न होना भी दर्शाता है और इस पाटनरोधी शुल्क के संतुलित प्रभाव को वास्तविक रूप से सृजित किया जा सकता है।

ख. प्राधिकारी द्वारा जांच

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह बात दोहराई है कि संबंधित पक्षकार की सूचना उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रकट नहीं की गई थी। इस संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. ने अपनी मूल प्रश्नावली के उत्तर के साथ तुलन पत्र और लाभ तथा हानि खाते की प्रति दी जो प्रश्नावली के उत्तर का अभिन्न भाग भी है। जिनई सोलर (मलेशिया) ने अपने प्रश्नावली के उत्तर में यह उल्लेख किया था कि उन्होंने गैर-संबद्ध आपूर्तिकर्ता से कच्ची सामग्री की खरीद की। यद्यपि, अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2017 में संबंधित पक्षकार की सूचना उपलब्ध थी। तालिका का अध्ययन करने के दौरान जिनई सोलर (मलेशिया) का प्रतिनिधित्व करने वाली वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स (डब्ल्यूटीसी) के साथ इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया था। संबंधित पक्षकार के लेन-देन के संबंध में उनकी वार्षिक रिपोर्ट 2017 में प्रमाणन की मांग की गई थी। मैसर्स डब्ल्यूटीसी ने जांच की अवधि के दौरान संबंधित पक्षकार की खरीद के ब्यौरे दिए और यह नोट किया गया था कि जिनई सोलर की कुल खरीद में से कच्ची सामग्री की खरीद विचाराधीन उत्पाद के लिए मानी गई कुल कच्ची सामग्री की लागत के 0.5 प्रतिशत से कम है। इसके अतिरिक्त, संबंधित पक्षकार की खरीद की घरेलू कीमतें और गैर-संबद्ध पक्षकार की कीमतें तुलनीय पाई जानी नोट की गई थीं।
90. प्राधिकारी मानते हैं कि एक लंबी चलने वाली जांच होने के नाते पाटनरोधी जांच में कई चरण शामिल होते हैं, यथा – मौखिक सुनवाई, घरेलू उद्योग/निर्यातकों के परिसरों में आंकड़ा सत्यापन अथवा वैकल्पिक तालिका अध्ययन। वर्तमान जांच में डीजीटीआर में उत्पादक के आंकड़ों का तालिका अध्ययन किया और स्पष्टीकरण/समर्थक दस्तावेज अपेक्षानुसार उत्पादक/निर्यातक से प्राप्त किए गए थे। प्राधिकारी ने विशेष रूप से मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दों के आधार पर स्पष्टीकरण मांगे।
91. जहां तक संबंधित पक्षकार से संयंत्र और मशीनरी तथा अतिरिक्त हिस्से पुर्जों की खरीद की सूचना का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अतिरिक्त हिस्से पुर्जों तथा संयंत्र एवं मशीनरी की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्राप्त करना व्यावहार्य रूप से असंभव है क्योंकि ये सामान कुल मिलाकर क्रेता द्वारा अपने प्रयोग के लिए, लिये जाते हैं। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि यद्यपि कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों संबंधी निर्धारण उपलब्ध हैं, तथापि, अतिरिक्त हिस्से पुर्जों/मशीनरी के लिए समान विश्वसनीय सूचना तकनीकी विशिष्टियों और ग्राहक की आवश्यकताओं के मद्देनजर प्राप्त नहीं की जा सकती। वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान निर्यातक की प्रश्नावली संशोधित की गई थी। तथापि, संबंधित पक्षकारों से खरीद किए गए अतिरिक्त हिस्से पुर्जों/उपस्करों के संबंध में लेन-देन वार सूचना विशेष रूप से घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए निर्यातक से प्राप्त की गई थी। मैसर्स जिनई सोलर (मलेशिया) के स्वतंत्र लेखापरीक्षक ने प्रमाणित किया है कि कंपनी का वित्तीय विवरण मलेशिया फाइनेंसियल रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों और मलेशिया में कंपनी अधिनियम, 2016 की अपेक्षाओं के अनुसार है।

इसके अतिरिक्त, जिनई सोलर के स्वतंत्र लेखापरीक्षक ने अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट 2017 में जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. की लेखापरीक्षित बहियों और लेखों में दर्शाई गई संयंत्र और मशीनरी के मूल्य के संबंध में कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है।

मूल्यहास हमेशा लागू कानूनों, अधिनियमों और विनियम के अनुसार निकाला जाता है तथा सामान्यतः बिक्री की प्रतिशतता के रूप में परिकलित नहीं किया जाता। जिनई सोलर (मलेशिया) की वार्षिक रिपोर्ट, 2017 के अनुसार संयंत्र और मशीनरी का मूल्यहास 7 प्रतिशत – 10 प्रतिशत की दर पर सीधी पद्धति कर दिया गया है।

कंपनी की लेखांकन नीति यह दर्शाती है कि ऐतिहासिक लागत सामान्यतः परिसंपत्तियों के लेन-देन में दी गई स्थिति के उचित मूल्य के आधार पर है।

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण में आयात आंकड़ों में कुछ अंतर प्रकटन विवरण के उत्तर में उल्लिखित किए गए हैं। प्राधिकारी स्पष्ट करते हैं कि आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग का दावा डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के आधार पर है जो उत्पाद के विवरण के अनुसार अलग किए जाने पर और सामान्य मी. टन यूनिट में, यूनिटों की मात्रा के परिवर्तन पर लगभग पूरी हो सकती है परंतु द्विअर्थकता की स्थिति में कुछ वैध अवधारणाएं हो सकती हैं। ये आंकड़े सहयोगी उत्पादक द्वारा भी दायर किए गए हैं जो कुल मिलाकर मलेशिया से एक मात्र उत्पादक हैं। उत्पादक/निर्यातक द्वारा सूचित की गई यूनिटें मी. टन हैं। डीजीसीआईएंडएस और उत्पादक/निर्यातक के आंकड़ों में कुछ हद तक यूनिट में परिवर्तन, जांच की अवधि के अंतिम अनुप्रवाह और डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में विचाराधीन उत्पाद की पहचान के कारण होने की उम्मीद है। तथापि, यह बहुत कम है और इससे विश्लेषण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जहां तक घरेलू उद्योग के उत्पादन, मांग, क्षमता और बिक्री का संबंध है, जैसा कि प्रकटन विवरण में किए गए अनुसार एनसीवी याचिका में अगोपनीय होने का दावा किया गया है, उसे अंतिम जांच परिणाम में प्रकटन विवरण में अन्य किसी समान त्रुटि सहित उपयुक्त रूप से ठीक कर दिया गया है।

ज. निष्कर्ष

93. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों और इस जांच परिणाम में रिकार्ड किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि:
- विचाराधीन उत्पाद का भारत में संबद्ध देश से निर्यात व्यापक रूप से एक उत्पादक/निर्यातक अर्थात् मैसर्स जिनई सोलर एसडीएन. बीएचडी. द्वारा ही किया गया है जिनके निर्यातों का अपाटित के रूप में मूल्यांकन किया गया है। जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. को छोड़कर अन्य गैर सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों का मूल्यांकन सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार किया गया है और इस श्रेणी के निर्यातों का मूल्यांकन पाटित के रूप में तथा क्षति पहुँचाने वाले निर्यात के रूप में किया गया है।
 - घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है। यह क्षति संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों सहित विभिन्न कारकों के कारण हुई है। तथापि, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, सहयोगी उत्पादक/निर्यातक पाटन करता हुआ नहीं पाया गया है और इसीलिए प्राधिकारी ने मलेशिया से संबद्ध सामानों के उत्पादकों/निर्यातकों की शेष श्रेणी के लिए ही उपयुक्त सिफारिश की है।

झ. सिफारिशें

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि और क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण तथा कम कीमत पर कटौती की वास्तविक क्षति हुई है। लाभप्रदता तथा निवेश पर आय संबंधी वित्तीय मानदंड भी प्रतिकूल नोट किए गए हैं। तथापि, मैसर्स जिनई सोलर एसडीएन. बीएचडी. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन करता हुआ नहीं पाया गया है और इसीलिए भारत में उनके निर्यात पाटनरोधी उपाय के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। जिन गैर सहयोगी उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार किया गया है, उन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जा रही है।
- 95.(i) प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि जिनई सोलर (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी. को छोड़कर उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त की जा सके। प्राधिकारी निम्नलिखित तरीके और स्वरूप में 5 वर्षों के लिए संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष*	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	शुल्क राशि	यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	70071900 व 70072190	टेक्सचर्ड टफेंड (टेम्पर्ड) ग्लास**	मलेशिया	चीन के अलावा कोई भी देश	मैसर्स जिनई सोलर एसडीएन. बीएचडी., मलेशिया	शून्य	अमेरिकी डॉलर/मी. टन

2.	70071900 व 70072190	टेक्सचर्ड टफेंड (टेम्पर्ड) ग्लास**	मलेशिया	चीन के अलावा कोई भी देश	मैसर्स जिनई सोलर एसडीएन. बीएचडी., मलेशिया के अलावा कोई उत्पादक	114.58	अमेरिकी डॉलर/मी. टन
3	70071900 व 70072190	टेक्सचर्ड टफेंड (टेम्पर्ड) ग्लास**	मलेशिया तथा चीन के अलावा कोई अन्य देश	मलेशिया	कोई भी	114.58	अमेरिकी डॉलर/मी. टन

* आयात आईटीसी शीर्ष 70031990, 70051010, 70051090, 70052990, 70053090

के तहत भी होते हैं।

** न्यूनतम 90.5 प्रतिशत पारोषण के साथ टेक्सचर्ड टफेंड (टेम्पर्ड) ग्लास जिनकी मोटाई 4.2 मिमी. से अधिक नहीं है (0.2 मि.मी. की टोलरेंस सहित) और जहां कम से कम आयाम 1500 मि.मी. से अधिक हो, चाहे कोटेड हो अथवा अनकोटेड।

(ii) यह स्पष्ट किया जाता है कि उत्पादकों द्वारा शुल्क तालिका में यथा उल्लिखित उत्पादित वस्तुओं का उत्पादन उनके अपने निर्माण सुविधा में किया जाना चाहिए। यदि इन वस्तुओं का व्यापार किया जाता है तब सीरियल नंबर 2 की अवशिष्ट शुल्क दर लागू होगी।

(iii) यह तथ्य कि संबंधित उत्पादक द्वारा इन वस्तुओं का निर्माण किया गया है, का सत्यापन सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा किया जाए।

ब. आगे की प्रक्रिया

96. इस अधिसूचना के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसार, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 17th January, 2019

Subject : Anti-dumping duty investigation concerning imports of "Textured Tempered Coated and Uncoated Glass", originating in or exported from Malaysia-Final Finding.

1. **F. No. 6/45/2017-DGAD.**—M/s. Gujarat Borosil Limited (hereinafter also referred to as the Petitioner or Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for imposition of Anti-dumping duty on imports of "Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated" (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from Malaysia (hereinafter also referred to as the subject country).
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a Notification No.14/03/2016-DGAD dated 2nd February, 2018, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree

and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from Malaysia, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industry, alleging dumping of "Textured Tempered Coated and Uncoated Glass", originating in or exported from Malaysia.
 - ii. The Authority notified the Embassy of Malaysia in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - iii. The Authority issued a public notice dated 5th February 2018 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - iv. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of Malaysia in India, known producers/exporters from Malaysia and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - v. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in Malaysia, (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 1. M/s Xinyi Solar (Hongkong) Limited
 2. M/s Gar Lightglass SDN BHD
 - vi. Only Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd. has filed their Questionnaire responses in the above matter.
 - vii. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
 1. Waaree Energies Limited
 2. Alpex Exports Pvt. Ltd
 3. Vikram Solar Pvt. Ltd
 4. Surana Solar Limited
 5. Topsun Energy Limited
 6. Tata Power Solar Systems Limited
 7. Emmvee Photovoltaic Power Pvt. Ltd
 8. Navitas Green Solutions Pvt Ltd
 9. Sova Power Limited (Godown)
 - viii. Following importers/users have filed their submissions/representations in the above matter.
 1. Emmvee Photovoltaic Power Pvt. Ltd.
 2. Vikram Solar
 3. Waaree Engineering Ltd.
 4. Goldi Green Technology Pvt. Ltd.
 5. All India Solar Industries Association.

6. Navitas Green Solutions Pvt. Ltd.
- ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- x. The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xi. Data verification through desk study of questionnaire filed by producers/exporters was undertaken.
- xii. The period of investigation for the purpose of present investigation is from 1st October 2016 to 31st December 2017 (15 months). However, the injury investigation period cover the data of previous three years, i.e. April 2014 to March 2015, April 2015 to March 2016, April 2016 to March-2017 and POI.
- xiii. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xiv. Non-injurious price has been determined based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. Transaction wise data was called from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) for determination of volume and value of imports of product concerned in India.
- xvi. The Authority held an oral hearing on 11th June, 2018 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance with Rule 6 (6). The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were asked to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by other interested parties. The submissions made therein have been duly considered and addressed appropriately.
- xvii. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xviii. The Authority issued a disclosure statement under Rule 16 on 28th November, 2018 and provided an opportunity to give comments to the disclosure statement till 7th December, 2018. Comments filed have been appropriately considered. Any relevant submissions not addressed earlier have been included in the Final finding and appropriately addressed.
- xix. ‘***’ in this document represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules. () bracket in this final finding indicates negative number/range.
- xx. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs.65.87

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The product under consideration in the present application is "Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated".
5. The subject good are used as a component in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications. The glass of thickness 3.2 mm and 4 mm is generally used in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications as per the current trend. The minimum level of transmission required in the subject goods can be achieved by keeping the iron content low, typically less than 200 ppm. The transmission

level goes up by about 2%-3% when coated with an anti-reflective coating. The glass whether coated or uncoated is tempered / toughened in a tempering furnace, as it is essential for solar applications.

Submissions by the Domestic Industry

6. The submissions made by domestic industry are as follows:
 - a. The anti-dumping duties are required to be imposed on product under consideration whether in coated form or uncoated form.
 - b. The product is also known by various names such as Solar Glass, Low Iron Solar Glass, High Transmission Photovoltaic Glass, Tempered Low Iron Patterned Solar Glass etc. The subject goods are classified under chapter heading 70071900. The customs classification, however, is indicative only, and the same is not binding on the scope of the proposed PUC under investigation.
 - c. According to the Domestic Industry, there is no difference in the subject goods produced by them and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

7. None of the interested parties have submitted any comment on the product under consideration.

Examination by the Authority

8. The product under consideration in the present investigation as per the initiation notification is as follows-

“Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated.”
9. The subject goods are used as a component in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications. The glass of thickness 3.2 mm and 4 mm is generally used in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications as per the current trend. The minimum level of transmission required in the subject good can be achieved by keeping the iron content low, typically less than 200 ppm. The transmission level goes up by about 2%-3% when coated with an anti-reflective coating liquid. The glass whether coated or uncoated is tempered / toughened in a tempering furnace, as it is essential for solar applications.
10. The product in the market parlance is also known by various names such as Solar Glass, Low Iron Solar Glass, High Transmission Photovoltaic Glass, Tempered Low Iron Patterned Solar Glass etc. The subject goods are classified under chapter heading 70071900. However, it has been claimed by the petitioner that the subject goods are also being imported under various other tariff headings like 70031990, 70051010, 70051090, 70052190, 70052990, 70053090, 70071900 etc. However, during POI, all imports have come under 70071900 and 70072190. It is clarified that the HS codes are only indicative, and the product description shall prevail in all circumstances.
11. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
12. After considering the information on record, the Authority holds that there is no material difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry is comparable to the imported subject product in terms of physical characteristics, production technology & manufacturing process, functions & uses, product specifications, distribution & marketing. The two are technically and commercially substitutable.

13. The Authority holds that the product manufactured by the domestic industry and the subject goods imported into India from the subject country are like articles within the meaning of the Anti-Dumping Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions by the Domestic Industry

14. The submissions made by the domestic industry are as follows:
- The petition has been filed by M/s Gujrat Borosil Limited Ltd. (hereinafter also referred to as Petitioner/Applicant) for imposition of anti-dumping duty on the subject goods from Malaysia. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India and therefore has clear standing to constitute domestic industry within the meaning of the Rules
 - Petitioner has not imported the subject goods from the subject country during the POI. Petitioner is not related (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject country. Thus, the petitioner is eligible domestic industry under Rule 2(b) of the AD Rules.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

15. None of the interested parties have submitted any comment on the standing of the Domestic Industry.

Examination by the Authority

16. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:
- “(b)“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”*
17. The application in the present case has been filed by M/s Gujrat Borosil Ltd., the only domestic producer of the product under consideration and who has provided detailed information for investigation in the matter of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from Malaysia.
18. The production of the petitioner alone constitutes 100% of Indian production. Accordingly, the authority holds that the petitioner satisfied the requirement of standing under Rule 5(3) and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

D. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY

Submissions by the Domestic Industry

19. The submissions made by domestic industry are as follows:
- The petitioner has claimed only such information as confidential, the confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
 - The petitioner has provided sufficient non-confidential version of the application. None of the interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
 - Information such as volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, average price for exports to India have been provided in indexed version as the information is business proprietary information.
 - That the responding exporter has failed to fulfill their obligations under the Indian law by not providing the meaningful summary of the response to exporters' questionnaire. It is further submitted that they have kept all the volume related information confidential. Further, the responses are in stark violation of the specific guidelines issued by the Designated Authority with regard to the procedure to be followed for filing of non-confidential version of the exporter's questionnaire responses. Petitioner

also, requested the Hon'ble Designated Authority to disregard the submissions of the interested parties and also to reject the response of exporters and deny them the individual treatment.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

20. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to volume related information also.
 - ii. The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file.
 - iii. Domestic Industry has also not provided sufficient details of their costing.

Examination by the Authority

21. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
22. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

“Confidential information”

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

23. The WTO Agreement on Anti-Dumping provides as follows with regard to confidentiality of information-

“Article-6.5 Any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the authorities. Such information shall not be disclosed without specific permission of the party submitting it.

Article-6.5.1 The authorities shall require interested parties providing confidential information to furnish non-confidential summaries thereof. These summaries shall be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence. In exceptional circumstances, such parties may indicate that such information is not susceptible of summary. In such exceptional circumstances, a statement of the reasons why summarization is not possible must be provided.

Article-6.5.2 If the authorities find that a request for confidentiality is not warranted and if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, the authorities may disregard such information unless it can be demonstrated to their satisfaction from appropriate sources that the information is correct.

Footnote to Article 6.5.2 (footnote 18 of the WTO Agreement on Anti-Dumping) provides as follows—Members agree that requests for confidentiality should not be arbitrarily rejected.”

24. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences / information's / submissions submitted by various interested parties in the form of public file.
25. Certain corrections on confidential data pointed out/noted in the disclosure statement have been appropriately addressed.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

Submissions by the Domestic Industry

26. The submissions made by the domestic industry are as follows:
 - i. That the responding user associations cannot be considered as interested parties in terms of Rule 2(c) of the anti-dumping Rules. These associations can be permitted to participate as an interested party in the investigations only and only if it proves to the satisfaction of the Authority that the majority of the members are either importers or producers of subject goods. It is pertinent to note that the majority test is to be applied in the context of total membership of respective association. It is important to note that there is no evidence on record that such an exercise has been carried out by association to prove the basic requirements for being considered as an interested party. Since none of the association has even provided the list of their members along with their respective activities, under no circumstances, responding association can be considered as an interested party.
 - ii. That the contention of responding parties that imposition of anti-dumping duties will lead to a situation of monopoly of the Domestic Industry, Domestic Industry submitted that this argument is completely devoid of any merit. It has been held by the Authority time and again that the objective of anti-dumping duties is not to block any imports but only to address the situation created by dumping from specific sources. Anti-dumping duties being country specific duties, the importers are free to import the subject goods at fair prices from the subject countries as well as from other countries. Therefore, there is no question of monopoly by Domestic Industry or causing shortage as the imports can still come after the imposition of duties given that they are fairly priced. Last but not the least, a monopoly can exist only if there is a single supplier in the market which is not the case. A single producer does not create any monopoly as the goods continue to reach the market place from other suppliers around the world.
 - iii. That the submissions regarding delayed supply of subject goods, Domestic Industry vehemently denies such claim of the importer's association. Further, they have failed to place on record any evidence to support their claims which also proves the falsehood in their claims. In fact, due to the presence of cheap priced imports, the consumers are shying away from buying the domestically produced products. This fact is also evident from the fact that the unfairly priced imports from subject country are being preferred over the goods produced by the Domestic Industry.
 - iv. That the claim of the interested parties that the Domestic Industry has increased its prices post imposition of duties on China is legally and factually flawed. The objective of the anti-dumping duties is to maintain a fair price in the market. If the imports are artificially suppressing/depressing the domestic prices of the subject goods by the unfair trade practice of dumping, the same has to be addressed under the anti-dumping laws. It is the very purpose of the anti-dumping duties to give the Domestic Industry a fair opportunity to increase its prices to the level of fair prices. In the circumstances, the claim of the interested parties that they are relying on imports due to shortage of supply by Domestic Industry stands contradicted by their own submission as it is necessarily the lower price that is influencing their procurement decisions.
 - v. That the contention that the imposition of duty in present case would worsen the condition of the already suffering solar industry, Domestic Industry submitted that such averments by the interested

parties are misplaced and factually incorrect as the product under consideration accounts for a very small percentage of the total cost of the module manufacturing. Therefore, any imposition of anti-dumping duty on the product under consideration would have negligible bearing on the overall costing of the modules.

- vi. That the fact that Domestic Industry is a multi-product company and its Annual Report reflects its overall operations and overview of company's performance and not a performance appraisal of specific grades or specific products which may be under investigation. This issue was subject matter of dispute in several other cases and it has been consistently held that no reliance can be placed on annual reports for multi-product companies. This approach is based on the sound legal premise that what is under investigation is not the company but the product under consideration. The performance of the Domestic Industry must be judged for the product under consideration alone in terms of the provisions of law.
- vii. That the allegation of the interested parties that there are inconsistencies in the data submitted by the Domestic Industry, Domestic Industry submitted that besides some typographical errors in one of the annexures to the petition, have been rectified by the Domestic Industry through its letter dated 1.06.2018. There were of course no inconsistencies in the submissions which form the basis of the investigations.
- viii. The Domestic Industry requests the Authority that if the exporter / interested parties would submit any additional information / evidence / submissions, the same may be supplied to the Domestic Industry for its comments.
- ix. That the application filed by Domestic Industry is fully in accordance to the act and rules and also as per the prescribed format. Therefore, the submissions of the interested parties that application is not as per format needs to be rejected.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

27. The submissions made by the other interested parties are as follows:

- i. That the application filed by the Domestic Industry is not in the form and manner prescribed by the Authority. Further, the Authority has not evaluated the petition properly in terms of Article 5.3 of the WTO Anti-Dumping Agreement read with Rule 5(3) of the AD Rules and therefore, the investigation needs to be terminated.
- ii. That despite existing anti-dumping duties against imports from China, Domestic Industry has not increase their capacity from existing at the time of previous investigation. This non-increase in capacity has worsen the demand and supply gap prevailing in India.
- iii. That the Domestic Industry is not able to fulfil orders for months, due to capacity constraints. This constraint in supply compels the importers to import the subject goods. They further submitted that Domestic Industry is preferring exports over domestic supply, to gain more revenue.
- iv. That post imposition of anti-dumping duties, Domestic Industry has increased its prices and module manufacturers are grappling to pass on this increase to its customers due to cheap Chinese imports of modules.
- v. Any imposition of duties will give the Domestic Industry complete monopoly and will have adverse impact on the ecosystem concerning producers of subject goods and solar modules.
- vi. India is a growing economy with a dream of being a leader in Solar Energy Generation and production, it is important that the authorities support the solar module manufacturing industry by providing right ecosystem for the same. Imposing such anti-dumping duties will indeed prove counter-productive to the industry. Solar Energy market is a very price sensitive market and any anti-dumping duty imposed creates a big dent in the financials of the solar projects. The Competition Act, 2002; aims to prevent any act by a Company or Body which indulges in practice or practices resulting in denial of market access. Imposing of this Anti-dumping duty on the imports of Textured Tempered Glass from Malaysia, will act as medium to prevent any competition in the market for the product under consideration, as there is only one manufacturer for the said product, namely, Gujarat

Borosil Limited. The difference in the prices of domestic industry and Xinyi Solar (Malaysia) for the said products is about 5.51%, whereas Gujarat Borosil Limited enjoys the following benefits:

- Shorter supply lead time to the consumer;
- Preferable payment terms;
- Monopolistic position; and
- Wider Market as it can directly supply to smaller clients.

vii. That the certain information provided by the Domestic Industry in the narrative part of the petition is inconsistent with the Proforma IVA enclosed with the petition. Further, interested parties requested the Authority to recheck the numbers and call Domestic Industry to provide correct numbers.

Examination by the Authority

28. As regards the argument of the responding parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of *prima facie* evidence furnished by the Domestic Industry showing dumping, injury and causal link in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
29. As regards the arguments of the interested parties that the Authority failed to properly evaluate the validity of the application by the Domestic Industry. In order to substantiate their claim, they have referred to Rule 5(3) of the AD Rules. In this context, Authority notes that the interested parties have completely failed to appreciate and understand the scope of Rule 5 and the obligations of the Authority at the time of initiation of an investigation. It is also a settled law that the final determination is required to be based on the information made available by the Domestic Industry as well as other interested parties after proper examination and verification by the Authority. Therefore, the method of normal value or export price used for the purpose of initiation recedes in the background and would have no bearing on the outcome of the case.
30. As regards the issues of treating trade associations as eligible interested parties in terms of Rule 2 (c), the Authority notes the contention of the Domestic Industry to reject the responses filed by associations. The Authority holds that user associations are also an important stakeholder and therefore, their submissions need to be appropriately considered.
31. As regards the issue of Anti-Dumping duty on the PUC having adverse effect on the solar industry, the Authority observes that the share of the product under consideration in the total cost of solar modules, is around 6 to 7 %. Further, almost 80% of the total imports of subject goods are by SEZ units which are not impacted with anti-dumping duties. Also it is important to appreciate that any sales of PUC by SEZ units to DTA would also attract applicable AD duty on PUC as per section 30 of the SEZ Act. Therefore the concerns related to SEZ units both from the perspective of users and domestic industry are appropriately addressed through provisions of relevant rules.
32. As regards the issue of inconsistent numbers provided by the applicant, the same were rectified and clarified in the non-confidential version. Further, since numbers were provided with narrative explanations, no prejudice appears to have been caused to any interested party as the same were rectified during the course of the investigation before the hearing to avoid any confusion or hardship to interested parties. The Authority notes the post disclosure comments of the domestic industry on the non-disclosure of certain information on related party transactions which the Authority has addressed in the later part of this finding.
33. As regards the issue of monopoly of the Domestic Industry, it is noted that objective of levying anti-dumping duties is not to block any imports but only to address the situation created by dumping from specific sources. Anti-dumping duties being producer specific duties, the importers are free to import the subject goods at fair prices from the subject country and as well as from other countries of their choice.

F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**a. Normal Value**

34. The Authority sent questionnaires to the known exporters from Malaysia, advising them to provide information in the form and manner prescribed. M/s Xinyi Solar (Malaysia) SDN BHD has filed the prescribed questionnaire responses.

b. Submissions by the Domestic Industry

35. The Domestic Industry had filed relevant information with regard to the normal value and export price which was necessary for the purpose of initiation of an investigation. Domestic Industry further submitted that the information provided was sufficient in terms of Rule 5, to justify the initiation of an investigation. Necessary evidence has also been provided.
36. Domestic Prices of cooperating producer/exporter of Malaysia should be appropriately adjusted as they do not reflect the full Costs of make and sell of the subject goods. Further since the representative of the Government of Malaysia did not refute that the gas prices in Malaysia are not reflective of the fair market prices, the Authority should adjust the gas prices so that it reflect true market price.
37. Domestic Industry requests to make appropriate adjustment for fair interest cost, as exporter had received interest free loan from its related party. The cost of major raw materials being procured from related party from China and low depreciation in their annual report require redressal. The Authority should check the same and make necessary adjustment before conducting mandatory 80:20 test.
38. The Domestic Industry has analyzed the Annual Report of Xinyi Malaysia and found that Xinyi Malaysia has not accounted for certain costs which has resulted in their overall lower costs. Domestic Industry provides the following detailed submissions and requests the Authority to consider the following points:
- i. That from the audited report of Xinyi Malaysia, it is observed that Xinyi Malaysia has obtained interest free loan from their fellow subsidiary and immediate holding company. It is an admitted fact that they are not paying any interest on their loans obtained from the related parties. As a result of this, the incidence of financial cost is missing from their audited accounts. In view therefore, Domestic Industry requested the Authority to appropriately load interest cost in the cost of the exporter.
 - ii. Domestic Industry requests the Authority to adopt the same approach adopted in the case of Recordable Digital Versatile Disc DVD of all kinds from Malaysia Thailand and Vietnam [F. No.14/16/2009-DGAD, dated 2.7.2010], wherein the Authority had added notional interest cost of 5% to the cost of production even though there was no borrowing by the company.
 - iii. In the instant investigation, the exporter from Malaysia has admittedly obtained interest free loans from its related parties. Since they are not paying any interest, which is otherwise due in normal circumstances, Domestic Industry requested the Authority to kindly add interest cost to the total cost of the subject goods before conducting any of the mandatory tests necessary for determining normal value in Malaysia. According to Domestic Industry this is a case where loans have admittedly been obtained but no interest is reflected in the books of accounts / costs.
 - iv. In relation to procurement of raw materials from China, Domestic Industry has submitted that they have noted from the annual report of Xinyi Malaysia that they are procuring materials from their related party namely M/s Tianjin Xinyi Solar Trading Co. Ltd situated in China. Since the Authority is treating China as a Non-Market Economy, they have requested the Authority to disregard the price of raw material procured from China and make appropriate adjustments to their cost of production after considering the prevailing international prices. Domestic Industry has further requested the Authority that the raw material prices cannot be accepted on their face value also on the ground that the raw materials have been procured from a related party. In this connection, Domestic Industry has invited kind attention of the Authority to the 'Rubber Chemicals, namely, MBT, CBS, TDQ, PVI and TMT, originating in or exported from China PR and imports of PX-13 (6PPD) originating in or exported from China PR and Korea RP [F. No. 15/1/2013-DGAD, dated 29.4.2014], wherein the Authority

has rejected the prices of major raw material procured from China, on the ground that prices from a non-market economy country would not reflect the fair cost.

- v. As per the annual report of exporter, it is noted that the company has been granted in-principle income tax exemption equivalent to 100% capital allowance incurred on qualifying capital expenditure for the manufacture of photovoltaic glass for a period of 10 years to 2025. Company has unutilized capital allowances of RM 23.77 Mio for offsetting against future taxable income. Here, it is important to mention that because of income tax exemption from the Government of Malaysia, the exporter has no difficulty in showing lower costs (or higher profit margins). The exporter has clearly understated both the financial cost as well as the procurement prices of the inputs. In view thereof, Domestic Industry requested the Authority to kindly scrutinize in detail all the related party transactions having bearing on the cost of the exporter.
- vi. In relation to adjustment in cost on account of subsidized Gas Prices in Malaysia, Domestic Industry submits that in Malaysia, the gas prices are supported and controlled by the government and, therefore, are not reflective of their fair market value. Since this fact has neither been contradicted by the representative of the exporter nor by the representative of the Government of Malaysia, Domestic Industry submitted that it should be treated as the tacit acceptance by the exporter as well as the Government of Malaysia and the Authority may hold that the gas prices in Malaysia are not reflective of the fair market value.
- vii. Since gas is a significant portion of the overall cost, the normal value of the Malaysian exporter has to be adjusted based on market determined prices of gas. In this connection, Domestic Industry requests the Authority to apply the ratio of Polypropylene Final Findings in this case also.
- viii. Domestic Industry has requested the Authority that the above adjustments should be made for arriving at appropriate normal value reflecting the true cost of the product and also while conducting the mandatory tests of ordinary course of trade. The Domestic Industry also submitted that it is apparent from the Annual Report of the exporter that they have concealed critical information having a serious bearing on their costs and the consequent dumping margin. In view of their willful withholding of information or attempt to mislead the Authority, their entire response ought to be rejected, since the exporter has not provided the complete exporters questionnaire response of one of its related entities namely Xinyi Solar HK and that the responding producers from Malaysia have conveniently omitted to provide any information as to the subsidies received from them by the Government of Malaysia.

c. Views of the other interested parties

39. That the Domestic Industry has not provided any evidence of constructed normal value in the petition. Therefore, the normal value arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations.

d. Submission filed by M/s WTC

40. M/s Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd., has sourced gas from Gas Malaysia Berhad, which is a listed company in Kuala Lumpur Stock Exchange and its ownership is detailed below:

Shareholder	Stake (%)
MMC Corporation Berhad	30.9
Tokyo Gas-Mitsui & Co. Holding Sdn Bhd	18.5
Petronas Gas Berhad	14.8
Public	35.8

41. The pricing of gas is notified by the company from time to time for different segments. The base tariffs and effective Tariff scheduled for the period commencing from 1st July 2018 to 31st December 2018.

Tariff category	Annual Gas Consumption (MMBtu)	Current base Tariff (RM/MMBtu)	Base Tariff From 1st July to 31st December 2018 (RM/MMBtu)	Effective Tariff (After GCPT) From 1st July to 31st December 2018 (RM/MMBtu)
A	Residential Customers	22.30	23.03	23.80
B	0-600	28.78	29.73	30.50
C	601-5000	28.93	29.88	30.65
D	5001-50000	29.22	30.19	30.96
E	50001-200000	30.48	31.49	32.26
F	200001-750000	30.48	31.49	32.26
L	>750000	31.50	32.55	33.32
Average Base Tariff		30.90	31.92	32.69

(Note: MMBtu= Million British thermal unit)

42. Gas Malaysia Berhad is selling gas at profit as per the financial statement for the year ended 31st December 2018 enclosed with submission.

e. Examination by the Authority

43. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

(i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*

(ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

44. The Authority sent questionnaires to the known exporters from Malaysia advising them to provide information in the form and manner prescribed. M/s Xinyi Solar (Malaysia) SDN BHD filed Questionnaires' response.
45. The Authority notes that majority of imports of Textured Tempered Coated and Uncoated Glass from Malaysia are by SEZ units. The imports by SEZ units are not subject to AD duty as these imports are meant for export production by the SEZ units. However, in event of these goods being sold/directed by an SEZ unit to DTA, they would also attract AD duties as per section 30 of the SEZ Act. Therefore the Authority has undertaken analysis of imports from Malaysia only by non SEZ units i.e. the DTA domain.

f. Normal Value in case of M/s Xinyi Solar (Malaysia) SDN BHD

46. Based on the information furnished in the EQ response, the Authority notes that Xinyi Solar, Malaysia, the producer of the subject goods has exported the subject goods to India during the POI. The Authority notes that the total domestic sales of the subject goods by the producer/exporter concerned in the subject country is representative when compared to their total sales of the subject goods to India. The Authority

has also examined whether this domestic sale is under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the Annexure I to the Anti-Dumping Rules. Xinyi Solar has provided transaction wise details of sales made in home market. The same has been considered by the Authority after sample and overall check on desk study and has been relied upon to determine the weighted average-selling price of the subject goods sold in the home market. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned including SGA expenses of Xinyi Solar as per to the records maintained by the producer/exporter has been considered. The comparison with domestic sales has been made on an apple to apple basis. The cost of production includes packing cost. The comparison during the ordinary course of trade test has been done on an apple to apple basis. The Authority in this regard clarifies that packing cost considered for domestic and export sales is the same and that exporter's claim of higher packing cost for domestic sales has not been considered as the same was not justified with appropriate evidence of data and basis.

47. The Authority notes that domestic industry has made submissions regarding inappropriate interest cost due to loan availed by the producer/exporter from their group company, procurement of raw material from a related party from China and subsidised prices of natural gas in Malaysia. The Authority has while computing the cost of production of the producer/exporter of the subject goods has appropriately included the interest cost on the loan taken from the group companies and also examined other issues. As regards the related party purchase, it is found that mostly the purchase is related to spares and machinery and very little raw material for PUC. Further any unfair import in the subject country of a raw material used in the PUC would primarily require an appropriate action by the subject country. No evidence of either under invoicing or dumping of raw materials required for PUC in the subject country has been submitted by DI. As regards natural gas prices in Malaysia it is observed that allegation of an actionable specific subsidy will warrant a specific anti-subsidy investigation. Further the domestic industry has submitted that subsidy of 30% on natural gas is provided by the Government of Malaysia to the power sector. The usage of natural gas by the producer/exporter is in furnace for PUC's production and not for electricity generation. The producer/exporter has though submitted that the gas supplying company is in profits, it is not relevant in this situation as the availability of subsidy on gas has been claimed for power sector. The Authority further notes that subsidy to natural gas is provided in various countries for specific industrial uses including India. In fact domestic industry is also a beneficiary of the APM gas. In the present case even though there is a subsidy on natural gas for power sector and there might be certain linkages to the PUC's production, this factor would require a specific anti-subsidy investigation. Since this being an AD investigation, various input cost elements have been considered in computation of the cost of production of producer/exporter as per the accounting principles, and books of accounts maintained by the producer/exporter.
48. As per the OCT test on the domestic sales (coated glass only), the Authority notes that all sales are profitable and the domestic sales price with packing expenses included comes to *** \$/MT. After adjustments on credit cost and inland transportation to an extent of *** and *** \$/MT, the exfactory domestic selling price (normal value) comes to *** \$/MT.

g. Ex-factory export price

49. For evaluating the ex-factory export price, the Authority notes that the producer/exporter has exported a total quantity of 40983 MT during POI to India. Out of 40983 MT, 2.81 MT is sample sale and 249 MT and 194 MT have been exported through traders who have not responded. Remaining 40537 MT has been exported directly, which includes 40477 MT of coated and 60 MT of uncoated subject goods. Out of this, 34201 MT has been exported to SEZ units in India and 6336 MT to Non-SEZ units. The exports to non-SEZ units includes 6276 MT coated and 60 MT uncoated of subject goods. The ex-factory export price has been evaluated separately for coated and uncoated glass.

i. Coated Glass

The total invoice value of coated glass is \$***, (both FoB/CIF). The adjustments have been considered on handling including ocean freight, inland freight, ocean insurance, credit cost and bank charges to an extent of \$***/MT, \$***/MT, \$***/MT, \$***/MT and \$***/MT respectively.

The ex-factory export price comes to \$***/MT and landed value as \$***/MT.

ii. Un-Coated Glass

The total invoice value of uncoated glass is \$***. (FOB). The adjustments have been claimed on handling, inland freight, and bank charges to an extent of \$***/MT, \$***/MT, and \$***/MT respectively. The ex-factory price comes to \$***/MT and landed value as \$***/MT.

In both cases the packing adjustment is not allowed as the 'Normal Value' is computed which is inclusive of packing cost, and therefore comparison is on an apple to apple basis.

G. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

50. The dumping margin for coated and uncoated subject goods is evaluated as under:

	Coated	Uncoated
Qty. (MT)	***	***
NV (\$/MT)	***	***
EX-EP (\$/MT)	***	***
DM (\$/MT)	***	***
DM %	***	***
DM range	-(0 to 10)	-(0 to 10)

Normal Value for coated subject goods has been adopted for uncoated subject goods also as there are no sales of uncoated goods in the domestic market of producer/exporter. This is on the higher side as coated goods include cost of coating also. The Authority notes that the dumping margin for uncoated is negative even with 'normal value' of coated glass whose cost would be higher to an extent of coating material.

Normal value and Export Price for all other producers and exporters

51. For other producers/ exporters from Malaysia who have not participated / cooperated in this investigation, the Authority determines the normal value and export price on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules, referencing highest normal value and lowest export price of the cooperating exporter.

For residual/non cooperating producers/exporters appropriate higher normal value and lower export price in the transaction reported by the cooperating producer/exporter is considered.

S. No.	NV (\$/MT)	EX-EP (\$/MT)	DM (\$/MT)	DM%	DM% (Range)
1.	***	***	***	***	30-40

H. INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**a. Views of the Domestic Industry**

52. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. Imports of the product under consideration have shown significant increase over the years with a significant increase in POI. Imports have also shown increase in relation to production and consumption in India;
- ii. Market share of Malaysia in demand has become significant in short span of time. Market share of the domestic industry has decreased in the POI as compared to the base year. The same is due to significant imports from Malaysia;

- iii. With reduction in the prices by the foreign producers, the only choice available to the Indian producer is to either realign their prices with the changes in the import prices or to lose orders and hence the market share;
- iv. Domestic industry prices, reflects the effect of the prices that are being offered by the importers in the domestic market;
- v. The price underselling, price undercutting is positive and substantial. Further, the Domestic Industry is suffering from price depression as they are not able to increase its prices to reasonable terms. The main reason for this is high volume of imports from Malaysia that too at dumped and injurious prices.
- vi. Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.
- vii. The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from Malaysia.
- viii. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
- ix. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from Malaysia. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.

b. Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

53. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority.
- i. The Domestic Industry is not suffering any injury and has improved throughout the injury investigation period
 - ii. The imports from Malaysia have no negative impact on the performance of the Domestic Industry.
 - iii. That the Domestic Industry has exaggerated the increase in imports. Moreover, there is no price undercutting, price suppression and depression and therefore, the claim of Domestic Industry of any injury on account of imports from Malaysia should be rejected.
 - iv. The Profitability of the domestic industry has improved with respect to imports and vice-versa.

c. Submission by High Commission of Malaysia

54. (i) Insufficient supply of product Under Consideration (PUC) by Indian Domestic Industry

It is observed from the non-confidential Petition that the total domestic consumption of the PUC has increased tremendously at the rate of 320% from only 29,128 MT in 2014-15 to 122,023MT in period of investigation (POI). Within the same period, it is observed that the domestic industry's i.e. Gujarat Borosil Limited (GBL) installed capacity is stagnant at 33,829 MT from the year 2014-15 until 2016-17 GBL only managed to increase their capacity to 50,969MT in POI which can only cater 41.8% if the total demand.

The inability of the domestic industry to meet the domestic demand has resulted in the increase in imports to fulfil the rise in consumption.

(ii) Causal Link

Although the Domestic Industry has claimed to be materially injured due to dumped imports as stated in the non-confidential Petition it could be contributed by other factors such as the upgrading of installed capacity which could impact their operational cost and financial performance.

(iii) Cause of the Increase in imports

The Government of Malaysia would like to reiterate that two major free trade agreements (FTA) between Malaysia and India through ASEAN-India FTA and Malaysia-India Comprehensive Economic Cooperation Agreement (MICECA) came into effect in January 2010 and July 2011 respectively.

With the current 0% tariff rate for the PUC, Malaysia is of the view that the growth in imports was a positive case of significant trade creation effect of FTAs. It has always been the aspiration of countries when FTAs are formed, the tariff liberalisation will result in trade expansion. Therefore, Malaysia is highly concerned that such significant trade gains could be undermined or eroded by trade protectionism under the guise of trade remedy such as anti-dumping action.

Malaysia Government requests the Indian Government to objectively assess the real need to impose anti-dumping duties and to ensure that the current investigation be conducted in a manner consistent with the WTO Anti-Dumping Agreement.

d. Examination by the Authority

55. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

56. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

57. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties during the course of the present investigations and considered relevant by the Authority.

58. The Authority holds that the non-injurious price is in accordance with Annexure 3 to the Anti-Dumping Rules and the established practices of the DGAD.

59. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

I. VOLUME EFFECT OF DUMPED IMPORTS

a. Import Volume and Market Share

60. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the DGCI&S import data. The volume of imports of the subject good from the subject country to both DTA and SEZ units Oct. 2016 to Dec. 17 is as under:

	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Imports from Malaysia	MT	1	1	4,297	28,702	22,961
Imports from other countries	MT	16,613	28,776	85,459	92,457	73,965
Total Imports	MT	16,614	28,777	89,757	1,21,158	96,927
Trend	Indexed	100	173	540	729	583

Domestic Sales-Applicant	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	146	172	250	200
Total Demand (MT)	MT	29,143	47,026	1,11,331	1,52,529	1,22,023
Trend	Indexed	100	161	382	523	419
Share in Total Imports						
Imports from Malaysia	%	0%	0%	5%	24%	24%
Imports from Other Countries	%	100%	100%	95%	76%	76%
Share in Total Demand						
Imports from Malaysia	Indexed	0	0	100	475	475
Imports from Other Countries	Indexed	100	107	135	107	107
Sale of Domestic Industry	Indexed	100	91	44	48	48

61. After segregating the imports by SEZ units and non-SEZ units, the imports of PUC in non SEZ units are as under:

	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Imports from Malaysia	MT	1	1	348	4,929	3,943
Imports from other countries	MT	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838
Total Imports	MT	5,167	14,449	40,809	54,726	43,781
Trend	Indexed	100	280	790	1,059	847
Domestic Sales-Applicant	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	184	284	227
Total Demand (MT)	MT	15,507	26,677	59,787	84,057	67,245
Trend	Indexed	100	172	386	542	434
Share in Total Imports						
Imports from Malaysia	%	0%	0%	1%	9%	9%
Imports from Other Countries	%	100%	100%	99%	91%	91%
Share in Total Demand						
Imports from Malaysia	%	0%	0%	1%	6%	6%
Imports from Other Countries	%	33%	54%	68%	59%	59%
Sale of Domestic Industry	Indexed	100	69	48	52	52

62. Based on the actual export data submitted by the cooperating producer / exporter the above data is modified as under:

	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Imports from Xinyi	MT	1	1	556	6336	5068
Imports from other countries	MT	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838

	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Total Imports	MT	5,167	14,449	41,017	56,133	44,906
Trend	Indexed	100	284	808	993	795
Domestic Sales-Applicant	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	184	284	227
Total Demand (MT)	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	280	790	1,059	847
Share in Total Imports						
Imports from Malaysia	%	0	0	1.36	11.58	11.58
Imports from Other Countries	%	100	100	98.64	88.42	88.42
Share in Total Demand						
Imports from Malaysia	%	0	0	0.93	7.41	7.41
Imports from Other Countries	%	33.31	54.16	67.44	58.27	58.27
Sale of Domestic Industry	Indexed	100	69	47	51	51

63. It is noted from the above table that imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms in POI as compared to the previous years.
64. The share of imports of subject country in overall imports increased from almost 0% to 24%, while for non SEZ units the share increased from 0-9%. Similarly, the market share of imports from Malaysia in the total demand increased from 0% to 19%, and 0-6% for non SEZ units. Thus, volumes of imports from subject country has increased on an overall basis in absolute terms as well as in relation to total imports and the overall demand in the country.

b. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

65. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from subject country. This analysis is however, limited to imports of subject goods by non SEZ units and Domestic Industry sales also to non SEZ units.

c. Price Undercutting

66. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry for coated and uncoated glass, the weighted average of the two is as below:

	Quantity	Import Quantity	Landed Value of Imports from Malaysia	Net Selling Price	Price Undercutting	Price Undercutting	Price Undercutting
	MT	MT	Rs./ MT	Rs./ MT	Rs./ MT	%	Range
2014-15	Uncoated	-	-	-	-	-	-

	Coated	1	41866	***	***	***	0-10
	Wt. Average	1	41866	***	***	***	0-10
2015-16	Uncoated	1	33939	***	***	***	10-20
	Coated	-	-	-	-	-	-
	Wt. Average	1	33939	***	***	***	10-20
2016-17	Uncoated	347	32980	***	***	***	20-30
	Coated	1	37534	***	***	***	30-40
	Wt. Average	348	32993	***	***	***	30-40
POI	Uncoated	2557	31944	***	***	***	20-30
	Coated	2372	31962	***	***	***	30-40
	Wt. Average	4929	31953	***	***	***	30-40

67. Further the analysis carried out for coated and uncoated glass, Authority notes that the Domestic Industry is suffering price undercutting against both the variants. The Domestic Industry has claimed that they could not increase its selling price due to price pressure of low priced dumped imports from subject country, which have also increased by 10% from 2015-16 to POI.

d. Price Suppression and Depression

68. In order to determine whether the imports from Malaysia are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period, as detailed below:

	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Coated Glass						
Landed Value of Imports of Malaysia	Rs./MT	***	-	***	***	***
Index	Indexed	100	-	90	76	76
Cost of Sales	Rs./MT	***	-	***	***	***
Trend	Indexed	100	-	97	88	88
Domestic Selling Price	Rs./MT	***	-	***	***	***
Trend	Indexed	100	-	97	93	93
Uncoated Glass						
Landed Value of Imports of Malaysia	Rs./MT	-	***	***	***	***
Index	Indexed	-	100	97	94	94
Cost of Sales	Rs./MT	-	***	***	***	***
Trend	Indexed	-	100	97	94	94
Domestic Selling Price	Rs./MT	-	***	***	***	***
Trend	Indexed	-	100	97	94	94

Wt. Average						
Landed Value of Imports of Malaysia	Rs./MT	***	***	***	***	***
Index	Indexed	100	81	79	76	76
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	103	95	95
Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	102	99	99

69. From the above, it is noted that the landed value of imports from Malaysia decreased throughout the injury investigation period. Further, it is noted that the decline in landed value and increase in import volume during POI. It is further noted that the decline in landed value is more than the decline in cost of sales curtailing Domestic Industry's liberty to raise price above the cost of sales.

e. Price Underselling (injury margin) during POI

70. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of imports from subject country both on total imports and to non-SEZ units. The comparison has been made for coated and uncoated glass, the weighted average of the two is as below:

Quantity	MT	Uncoated	Coated	Total
Import Quantity	MT	60	6276	6336
Landed Value of Imports from Malaysia	Rs. / MT	***	***	***
NIP	Rs. / MT	***	***	***
Price Underselling	Rs. / MT	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***
Price Underselling	Range	5-10	25-30	20-25

It is noted from the above table that the domestic industry has suffered price underselling on account of imports of the subject goods from the subject country.

J. ECONOMIC PARAMETERS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

71. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

a. Market share:

72. The details of imports (non SEZ units), domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

	Units	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Imports from Malaysia	MT	1	1	348	4,929	3,943
Imports from other countries	MT	5,166	14,448	40,461	49,797	39,838
Total Imports	MT	5,167	14,449	40,809	54,726	43,781
Trend	Indexed	100	280	790	1,059	847
Domestic Sales-Applicant	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	184	284	227
Total Demand (MT)	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	172	386	542	434
Share in Total Demand						
Imports from Malaysia	%	0%	0%	1%	6%	6%
Imports from Other Countries	%	33%	54%	68%	59%	59%
Sale of Domestic Industry	%	67%	46%	32%	35%	35%

As mentioned earlier, imports of the subject goods from subject country have increased from 2016-17. It may also be noted that market share of domestic sales has decreased during the injury investigation period. However, during the same period the market share of Malaysia increased substantially.

b. Profitability

73. It is noted that with anti-dumping duties imposed against imports from China, and cost of sales of the Domestic Industry declining in the POI, they continue to suffer injury as they are unable to increase their selling price due to prices offered by the exporter/exporters. The Domestic Industry has submitted that the selling consistently remained below the cost of sales of the Domestic Industry resulting into continued losses due to the overall pressure on their selling prices.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	103	95	95
Selling price to DTA units	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	102	99	99
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-127	-111	-62	-62
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-150	-204	-174	-140

c. Return on Investment:

74. The return on investment remained negative over the injury period as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Capital Employed	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
ROI	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-124	-145	-67	-54

d. Production and Capacity Utilization:

75. It can be seen that the Domestic Industry has increased its capacity from 33829 MT in the year 2016-17 to 63711MT in the POI, perceiving that the demand of the subject goods is increasing. Similarly, their production increased due to increase in the demand in the country. Further, the Domestic Industry is also not able to utilize more than 75% of the installed capacity despite the fact that there is enough demand in the country.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Capacity	MT	33829	33829	33829	63711	50969
Total Production	MT	20393	27883	32630	47946	38357
Trend	Indexed	100	137	160	235	188
Capacity Utilization	%	60.28%	82.42%	96.46%	75.26%	75.26%
Trend	Indexed	100	137	160	125	125
Domestic Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	184	284	227
SEZ Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	275	119	93	75
Export Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	142	168	287	230
Non-PUC Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	143	165	132
Total Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	136	164	232	186
Opening Stock	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	119	37	37
Closing Stock	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	68	79	70

e. Sales Volumes:

76. It is noted from the Table above, that the sales volume of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year which is largely due to the fact that the demand in the country has increased.

f. Inventories:

77. The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table.

Particulars	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Inventory	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	93	58	54

g. Employment and Wages:

78. It is noted that there are no dedicated employees for the subject goods only. Therefore, employees and wages paid to them is for the product under consideration and non-product under consideration both. The position with regard to employment and wages is as follows:

	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Employees	Number	***	***	***	***	***
Employees	Indexed	100	109	103	99	99
Wages	Rs.(lakhs)	***	***	***	***	***
Wages	Indexed	100	146	154	252	202
Wages/employee	Rs/Number	***	***	***	***	***
Wages/employee	Indexed	100	134	150	256	205

It is noted from the above table that the employees engaged by the Domestic Industry remained more or less same in during the injury investigation period. However, the wages paid to them has increased during the same period.

h. Productivity:

79. It can be seen from the table below that productivity in terms of total production per employee has increased in the POI as compared to the base year. Despite increase in productivity, the performance of the Domestic Industry continued to be negative in POI. Accordingly, productivity is not a factor that can be attributed to injury, during the injury period.

	Unit	2014-15	2015-16	2016-17	POI	POI A
Production (MT)	Indexed	100	137	160	235	188
Employees	No.	***	***	***	***	***
Employees	Indexed	100	109	103	99	99
Production/employee	MT/No.	***	***	***	***	***
Production/employee	Indexed	100	125	156	238	191

Magnitude of Dumping:

80. Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined for cooperating producer/exporter is below *de minimis*, though for residual category the Authority has noted a possible existence of dumping.

i. Ability to raise Capital Investment:

81. The future investment in the sector is affected by the presence of imports from Malaysia. The negative profitability, return on investment along with reduced market share indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected.

j. Factors affecting domestic prices:

82. The examination indicates that there is a demand in India for the subject goods. The import prices from subject country are directly affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is also noted that the landed value of subject goods from subject country are below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed value from subject country had suppressed / depressed the prices of the Domestic Industry causing financial losses to them. The imports of the product under consideration from countries other than subject country and countries already attracting anti-dumping duty are not claimed to be injuring the domestic industry. Demand for the product is showing an increasing trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry.

k. Growth:

83. There is a positive growth of the domestic industry in terms of sales and production in the POI as compared to the base year. However, financial performance of the Domestic Industry like profits, ROI remained negative. The domestic industry has contended that with increase in demand, the domestic industry had expected growth in profits, comfortable cash flow and increase in return on investments. However, the domestic industry was not able to achieve the same.

l. Conclusion on Material Injury

84. An examination of the various parameters of injury along with the volume and price effects of imports reveals that material injury to the Domestic Industry exists during the period of investigation. There is an increase in the volume of imports of subject goods from Malaysia during the injury investigation period in absolute terms as well as in relation to the total imports, domestic production and total demand in the country. Other volume parameters like sales, production and capacity utilization of the domestic industry also indicate that the domestic industry has suffered volume injury. With regard to price effect, it is noted that imports of the subject goods from Malaysia are undercutting the prices of domestic industry. Further, the domestic industry has suffered price depression. The domestic industry has also suffered price suppression on account of imports of product under consideration from subject country as sales price of subject goods has not increased in line with increase in cost of production of subject goods during the injury period. The Authority notes that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation, however the only cooperating producer/exporter who in fact accounts for almost entire exports is found to be non-dumped.

K. OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK

85. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Anti-Dumping Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see what other factors apart from the imports from the subject country could have contributed to injury to the domestic industry.

a. Volume and prices of imports from third countries

Imports of the product under consideration from each country other than Malaysia and countries already attracting anti-dumping duty in the POI are below 3% of the total imports.

b. Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

The demand of the product concerned has been rising throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not as a possible reason of injury to the Domestic Industry.

c. Developments in technology:

Technology for production of the product concerned has not undergone any significant change. Thus, development in technology is also not a factor causing injury to the domestic injury.

d. Trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers

There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

e. Export performance of the domestic industry

The Domestic Industry has exported the subject goods during the injury investigation period. However, only domestic performance has been considered for this injury analysis purpose. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis in any manner whatsoever.

f. Productivity of the Domestic Industry

It is noted that the productivity of the domestic industry has been improving over the injury investigation period.

It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors.

L. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

86. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in anti-dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the domestic industry has been worked out and it has been considered for comparing the landed price from Malaysia for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure-III and being followed. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries to determine the injury margin as follows;

S. No.	Producer	Landed Value (Rs/MT)	NIP (Rs/MT)	Injury Margin (Rs/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin (Range)
1	Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd.	***	***	***	***	20-25%
2	Residual producers/exporters other than Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd.	***	***	***	***	40-50%

M. OTHER ISSUES

87. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties though might affect the price levels of the product in India, however, fair competition in the Indian market is only required to be addressed by the imposition of anti-dumping measures if so warranted. In the instant case the Authority notes that dumping is below de minimis for the cooperating producer/exporter, and the aforesaid macro injury analysis has been undertaken for any residual category of producers/exporters. The Authority at this stage notes that if price of imports from cooperating producer/exporter is causing price undercutting and the said imports are not dumped, the injury to DI could be because of its high cost of production or creation of capacity for sales to non DTA units.

N. POST DISCLOSURE COMMENTS

88. Pursuant to the Disclosure statement, following submissions are made by the Domestic Industry and Importers.

a. Submissions by domestic Industry

- i. It is respectfully submitted that Xinyi has deliberately and mischievously not disclosed to the Authority that they have procured the plant & machinery from their related parties in their questionnaire response. This has resulted into severely understated costs, normal value and the dumping margin.
- ii. It is submitted due to lower-priced machinery, the cost of sales has been impacted as follows:
 - Since Xinyi has purchased the machinery from its related party at lower price, the actual depreciation could not be booked in the Profit and Loss account resulting in lower cost of production. Due to this fact alone, despite there being a new plant, Xinyi is incurring only 4% depreciation cost on sales. Obviously, the low depreciation is on account of the related party transaction which they deliberately chose to withhold from the Authority.
 - The finance cost on the additional money required to purchase the machinery have not been accounted in the cost of production.
- iii. It is important to note that Xinyi has not disclosed that they are procuring spares and raw materials from related party in China. It is firmly believed that they would not have provided the following in order to establish that their purchase price from related party in China is at fair market value:
 - a. Comparison of International price of raw materials and spares and purchase price of raw materials and spares from related party.
 - b. Price at which related party in China is selling the same raw material and spares to any other unrelated party.
 - c. That they have made full payment to the related party in China.
 - d. That the related party in China is operating under market economy conditions.
- iv. Since Xinyi has exemption from income tax for 10 years, it makes perfect business sense for them to get the raw material / spare parts / machinery from related parties in China at lower prices and continue to book higher profits in Malaysia as they get the benefit of zero income tax for a period of ten years. Interestingly, this fact has also not been disclosed in the questionnaire response
- v. It is submitted that Xinyi has made false declaration in the exporters questionnaire response filed to the Authority.
 - In response to question G1 (g), Xinyi has clearly made false declaration that they are not purchasing material from related party.
 - In response to question D1, Xinyi has again misled the Authority by stating that they have no plan for expansion.

From the above, it is clear that Xinyi has made false declaration and misled the Authority in its exporter's questionnaire response, which has direct implication on its normal value and consequent dumping margin. Attention was drawn to the final findings in the case of "Uncoated Copier Paper" [F. no. 6/32/2017-DGAD dated 30.10.2018], wherein the Authority has rejected the export price and

normal value of one of the exporters on mere suspicion of having transaction with related party, which was never proved.

vi. It is submitted that from the disclosure statement, it appears that the following documents have been filed post public hearing:

- a. Documents/information provided by Xinyi in relation to its purchases of raw materials from their related party.
- b. Documents/information pertaining to gas pricing.
- c. Annual report of Gas company.

The Designated Authority cannot permit the acceptance of any such documents as these documents were not filed at the earlier stage with the intention to withheld crucial information from the Authority. Attention is drawn to the case of CR Coils [Final Findings F. No. 18/11/2010-DGAD dated 5.12.2011] wherein a formal detailed report by a public sector enterprise regarding the technical capability of the Domestic Industry was rejected on the sole ground that the same was filed after the public hearing.

- vii. the domestic industry would also like to draw the kind attention of the Authority to its decision in the case of Rubber Chemicals from China and Korea (Case No.14/5/2007-DGAD) wherein it was held that the prices of raw materials cannot be accepted as the same are not reflective of cost reasonably associated with the production having been procured from non-market economy country and the Authority instead used the international market prices of the raw material for the determination of cost of production. The ratio of the above stated decision is directly applicable to the facts and circumstances of this case. In the present case also, the price of the raw material ought to be rejected on this ground alone.
- viii. In relation to the price of Gas available to Xinyi during POI, it is reiterated that the natural gas used in the production of textured tempered glass is not reflective of the market driven price because of the existence of a particular market situation. Referring to Section 9A(1)(c)(i) and Para 1 of Annexure I of AD Rules, it is submitted that the normal value to be determined is to be based on the records kept by the exporter and that the same reasonably reflect the cost associated with the production. Xinyi is purchasing its gas from Gas Malaysia Berhad at a special price. The Annual Report 2017 of the Gas Company is analysed, and it is noted from page 173 that the Malaysian Government is compensating the Gas Company for charging lower realization from its customers.
- ix. From the above, it is clear that Gas Company is providing cheaper gas to Xinyi, as the Malaysian Government is compensating for the same.
- x. To Substantiate their claim the domestic industry has referred to the following jurisprudence:
 - Australian Guidance on Particular Market Situation
 - The US authorities in their AD Manual (Glossary of Terms)
 - Polypropylene originating in or exported from Oman, Saudi Arabia and Singapore.
- xi. It is further submitted that the exporter has again misled the Authority by providing gas prices from July 2018, when it is known that the period under investigation is from October 2016 to December 2017.
- xii. It is submitted that the observation of the Authority in the disclosure statement in paragraph 41 regarding the practices in India clearly suggests that if there are certain policies prevailing in India similar to the challenged practice, then the Authority would ignore such questionable benefits being provided to the exporter. With respect, we submit that if this premise is a considered decision of the Hon'ble Authority, then it must be adopted in all other cases including the CVD investigations.
- xiii. It is noted from the disclosure statement that the Authority has not made any adjustment in the export price and normal value for packing expenses. In this regard, it is submitted that the Authority to kindly confirm that per unit cost of packing for domestic sales and export sales is same. However, if the two costs are not the same, it is requested to kindly make appropriate adjustment in both export price and normal value.

- xiv. It appears that several factual aspects have been disclosed first time in the Authority in the disclosure statement which have not been made available to the Domestic Industry at the time of the public hearing. In view thereof, it is requested that the Designated Authority may kindly give a fresh hearing in terms of Rule 6(6) to address at least those issues which have come on board for the first time.
- xv. False or misleading information in the exporter's questionnaire have direct effect on their dumping margin. Further, exporter filed some half-baked information which proves beyond doubt that the information provided by them in their questionnaire response was false, incorrect and misleading. The non-confidential version of the said information was not provided to the domestic industry. Therefore such information cannot be taken into consideration in terms of the provisions of Rule 7 of the anti-dumping rules.
- xvi. Attention is invited to the certification that is needed to be provided by the exporters while filing the questionnaire response. In the said certificate, the exporters undertake that the information provided by them in the questionnaire response is true and correct and nothing material has been concealed or misrepresented. They also undertake that in case any data/information is found to be incorrect or contrary to the records maintained by the company, the Authority may reject the questionnaire response filed by them. It is pertinent to mention that as Authority is giving great emphasis on the certification of the company and legal representatives. In fact, in Trade Notice no. 05/2018 the Authority has made the requirement of certification even more stringent. In such a case, accepting the response filed by the exporter in the present case shall not only amount to encouraging the interested parties to file false information. Therefore it is undisputed that the said exporter has provided false information with respect to their response to question A(5), A(6), D(1), G(1)e, G(1)g and G(2) of the questionnaire.

b. Submissions by other interested parties

- i. It is submitted that the petitioner did not claim confidentiality on key volume parameters such as capacity, production, sales, demand etc. in the petition and also in the subsequent submissions. But the same is treated as confidential in the Disclosure which has restricted our opportunity to offer adequate comments. Also, the disclosure contains certain mismatches in the data which is also impacting our opportunity to provide adequate comments. For e.g import from Malaysia is considered as 3943 MT in para 68 whereas the same is treated as 6336 MT in para 66 and 4929MT in para 62. Also, when the import data for Malaysia is segregated for SEZ and Non SEZ, imports from other countries is not segregated for SEZ and Non SEZ leading to uncertainties on the demand figure. Segregation of import data for China PR also would show a higher percentage of import by SEZ units from China PR also which will show dumping is not the cause for the alleged injury being suffered by the DI.
- ii. The petition showed a demand of 122023 MT annualised for the POI. If the same is reworked by taking the 5068 MT import from Malaysia by non SEZs, the demand comes to about 104000 MT. Thus, share of import from Malaysia is barely 5% of total demand in India and it is seen that such entire import is at un-dumped price as can be seen from the data of cooperating exporter. The case should be terminated based on this core fact alone.
- iii. As per the disclosure statement, the injury to the DI is on account of the fact that the DI has set up their capacity considering the demand in India and also demand in SEZ area. Purchase by SEZ units is governed by SEZ act. In this regard it is submitted that imposition of ADD on China PR also did not create any impact on the performance of the DI for this peculiar nature of consumption of PUC in India. ADD is not helping the DI because of the peculiar spread of the user industry in India. ADD is to remove the distorting effects of dumping and the alleged distortions in the present case are the result of a misplaced capacity setup by the DI which cannot be cured through imposition of ADD.
- iv. Referring to the observation of the Authority in para 73 of the disclosure statement, it is submitted it is a very relevant observation as it shows the absence of causal link in the present matter.
- v. It is submitted that the disclosure statement shows absence of dumping from the main cooperating producer/exporter namely Xinyi Solar (Malaysia) SDN BHD. It appears that

significant part of exports to India were from this exporter and having found negative dumping margin in case of exports by this exporter, the entire investigation must be terminated based on this.

- vi. It is submitted that there is a clear and serious breach of causal link between imported goods from subject country and injury claimed by the domestic industry.

The view of the Authority in para 30 of the disclosure statement shows that about 80% of the imports are made by SEZs and rest 20% only were made by Non SEZ. If the SEZs are not impacted by the imposition of AD Duties then what is the logic in bringing imports by SEZs into the ambit of present investigation? If such imports are not liable to ADD by the virtue of SEZ Act, how fair is it to link the alleged injury to the DI to such imports which is about 80% of the total alleged dumped imports. And most importantly, how can the present investigation which was initiated without differentiating imports between SEZs and non SEZs now sustain by excluding imports by SEZs from the scope of investigation?. The DS shows distortions in the claims of injury by the DI which cannot sustain.

SEZ is found to be a separate territory by the DG Safeguards in the Safeguard investigation concerning Solar Cells/Modules and SEZ is governed by the SEZ Act. It is clear that imports by SEZ ought not to have created any injury to the DI which is in a different territory and ADD is not applicable on imports by SEZs, liability of duty arises only when such imports without ADD is diverted to India and not exported. The above clearly shows that premise on which the case was initiated is non-existent and removal of imports by SEZ from the ambit of dumping and injury will show the case is liable to be terminated for want of dumping, injury and causal link between the two as notified in the initiation notification.

- vii. It is further submitted that the disclosure talks about a different picture of dumping and injury after exclusion of imports by SEZs whereas the present investigation was initiated on the basis of grounds provided in the petition and as notified in the initiation notification. The dumping and injury prima facie found by the Authority at the time of initiation is different and disclosure statement talks about a different scenario which is not claimed by the DI. So, the petitioner failed to identify the cause of their injury properly and a blanket allegation of dumping and injury was made against entire imports from Malaysia.
- viii. The facts as it stand shows financial losses throughout in the injury period and POI. A discussion and evaluation of such injury is meaningless now as it is found that there is no dumping in the present case.
- ix. As per the disclosure statement, imports from subject country were to the tune of only 6000 MT during the POI whereas the demand was about 104000 MT. It is hard to even imagine that such a miniscule import would have caused some injury to the DI. 6000 MT import in the present case ought not to have impacted the performance of the DI but the injury claimed are much beyond what could have been created by such imports. This shows absence of causal link and also absence of any rationale to impose ADD on such miniscule imports and the balancing effect such ADD can actually create.

O. EXAMINATION BY AUTHORITY

89. The Authority notes that the domestic industry has reiterated that related party information was not disclosed by the producer/exporter. The Authority in this regard notes that M/s Xinyi Solar (Malaysia) SDN. BHD provided copy of Balance Sheet and profit and loss account alongwith their original questionnaire response which is also an integral part of the questionnaire response. Xinyi Solar (Malaysia) in their questionnaire response had stated that they purchased raw material from unrelated suppliers though in their annual report 2017 related party information was available. During the table study this issue was discussed with the World Trade Consultants (WTC) representing Xinyi Solar (Malaysia). Clarification on the related party transaction in their annual report 2017 was sought. M/s WTC provided the details of related party purchases during the POI period and it was noted that out of the Xinyi Solar's total purchase, raw material purchase is less than 0.5% of the total raw material cost considered for the PUC. Further the dolomite prices of related party purchase and unrelated party were noted to be comparable.
90. The Authority holds that anti-dumping being a long drawn investigation includes number of stages i.e. public hearing, data verification at the premises of the domestic industry/exporters or alternatively table

study. In the instant investigation, DGTR conducted Table Study of the producer's data and clarifications/supporting documents were obtained from the producer/exporter as required. Authority specifically sought clarifications based on the issues raised by the domestic industry in the oral hearing.

91. As regards information of purchase of plant and machinery and spares from related party, the Authority notes that it is practically impossible to obtain the international prices of spares and plant and machinery since such goods are by and large customised by the buyer for their own use. The Authority therefore holds that while benchmark on international prices of raw materials are available, similar credible information for spares/machinery cannot be obtained in view of technical specifications and customised requirements. The Exporter's Questionnaire during the course of instant investigation got revised. However, transaction wise information on spares/equipment's procured from related parties was obtained from the exporter keeping in view submissions of interested parties in particular the domestic industry. The Independent Auditor of M/s Xinyi Solar (Malaysia) has certified that financial statement of the company are in accordance with the Malaysian Financial Reporting Standards, International Financial Reporting Standards and the requirement of the Companies Act, 2016 in Malaysia.

Further, Independent Auditor of Xinyi Solar in its Audit report 2017 has not made any adverse comments on the Value of plant and machinery appearing in audited books and accounts of Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd.

Depreciation is always worked out as per applicable laws, acts and regulation and is generally not calculated as a percentage of sales. As per Xinyi Solar (Malaysia)'s Annual Report 2017 depreciation of Plant and machinery is provided on a straight line method @ 7% - 10%.

The accounting policy of the company reflects that historical cost is generally based on the fair value of the consideration given in exchange of assets.

92. The Authority notes that some variations in import data in the disclosure statement have been pointed out in response to the disclosure statement. The Authority clarifies that domestic industry's claim on imports is based on DGCI&S data which when segregated as per text description of product and conversion of quantity units to a common MT unit may be almost perfect but may contain some valid assumptions in event of ambiguity. The data has also been filed by the cooperating producer who is by and large the only producer from Malaysia. The units reported by the producer/exporter are in MT. Some variations between DGCI&S and producer's/exporter's data is expected because of unit conversion, end point effect of POI and identification of PUC in DGCI&S data. However, this is quite small and in no way impairs the analysis. As regards domestic industry's production, demand, capacity and sales number claimed as non-confidential in the NCV petition having shown as astrixed in the disclosure statement, the same has been appropriately corrected in the final finding, along with any other similar errors in the disclosure statement.

P. CONCLUSIONS

93. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
- i. The product under consideration has been exported to India from the subject country largely by one producer/exporter only i.e. M/s Xinyi Solar Sdn. Bhd. whose exports are evaluated as non-dumped. The non-cooperating producers/exporters other than Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd. are evaluated as per the consistent practice of the Authority on the basis of best facts available and exports of such category have been evaluated as dumped, and causing injury as well.
 - ii. The Domestic Industry has suffered material injury during the injury period and POI. This injury has been due to various factors including imports of subject goods from the subject country. However as stated above the cooperating producer/exporter is found not to be dumping and therefore the Authority has made appropriate recommendation only for the residual category of producers/exporters of subject goods from Malaysia.

Q. RECOMMENDATIONS

94. The Authority notes that there has been material injury to the domestic industry during the period of investigation and the injury period. The domestic industry has suffered material injury on account of price suppression and undercutting by imports from subject country. The financial parameters on profitability and Return on Investment are also noted to be adverse. M/s Xinyi Solar Sdn. Bhd. is however not found to be dumping as per the Anti-dumping rules, and hence their exports to India are not

liable for an AD measure. For the non-cooperating producers for whom dumping margin and injury margin has been evaluated as per the best available information, are being recommended for levy of ADD.

95. (i) Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of Definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry only on producers/exporters other than Xinyi Solar (Malaysia) Sdn. Bhd.. The Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country for 5 years in the form and manner as described hereunder

Duty table

No.	Heading/ Sub- Heading*	Description of goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	70071900 & 70072190	Textured Toughened (Tempered) Glass**	Malaysia	Any Country other than China	M/s Xinyi Solar Sdn. Bhd., Malaysia	Nil	US\$/MT
2.	70071900 & 70072190	Textured Toughened (Tempered) Glass**	Malaysia	Any Country other than China	Any Producer other than M/s Xinyi Solar Sdn. Bhd., Malaysia	114.58	US\$/MT
3.	70071900 & 70072190	Textured Toughened (Tempered) Glass**	Any Country other than Malaysia and China.	Malaysia	Any	114.58	US\$/MT

*The imports also happen under ITC head 70031990, 70051010, 70051090, 70052990, 70053090.

** Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated

- (ii) It is clarified that the goods produced by the producers as stated in duty table should be produced in their own manufacturing facility. In case trading of the goods is done, residual duty rate of S. No. 2 will apply.
- (iii) The fact that goods have been manufactured by the concerned producer may be verified by the Custom Authorities.

R. FURTHER PROCEDURE

96. An appeal against this notification shall lie before the Customs, Excise, and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority